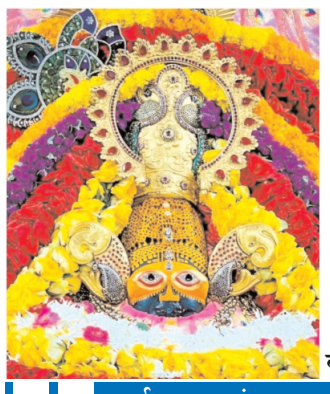

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:284। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 05 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

मानसून केरलम पहुंचा

•इस बार 3 दिन लेट: 7 दिन तक भारी बारिश का अनुमान

एमपी-राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़ । मानसून की केरलम में एंट्री हो गई है। इसके असर से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

13 साल में 7वीं बार लेट हुआ मानसून

मानसून की लेट-लतीफी पिछले कई सालों से जारी है। पिछले 13 साल में यह 7वीं बार है जब मानसून लेट हुआ है। IMD के आंकड़ों के मुताबिक बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें अलग-अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरलम पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरलम पहुंचा था।

गले दो दिन के मौसम का हाल

5 जून: राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान की आशंका के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शनिवार तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरलम, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में तेज बारिश होने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने का भी अनुमान लगाया है।

6 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50द्मद्बश्चद्ध की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्थिति रह सकती है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश और आंधी-तूफान का असर रहेगा।

मालवीय नगर अग्निकांड :

कोई एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट नहीं

शॉर्ट सर्किट से लगी थी रेस्टोमेंट में आग

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। जांच टीम को घटना के दौरान किसी भी एलपीजी सिलेंडर में धमाका होने का कोई सबूत नहीं मिला है। सूत्रों ने दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि आग इतनी तब फैलती है, जब इंटरनल वायरिंग में शॉर्ट सर्किट हुआ हो। सूत्रों के अनुसार, होटल के बेसमेंट और टॉप फ्लोर पर 2 किचन बने हुए थे। दोनों किचन के अंदर एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे। इन सिलेंडरों में कोई ब्लास्ट नहीं हुआ। हालांकि, मालवीय नगर के रेस्टोरेंट में आग लगने की सही वजह का पता लगाने के लिए अभी भी जांच चल रही है।

सीबीएसई ने त्रि-भाषा फार्मूला मनमाने ढंग से लागू किया: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और कक्षा 9 एवं 10 में त्रि-भाषा फार्मूले को जल्दबाजी में और मनमाने तरीके से लागू करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि इससे शैक्षणिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त हो जाएगी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुरुवार को कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने पाठ्यक्रम समिति की सिफारिश को स्पष्ट रूप से मंजूरी दी थी कि एनसीईआरटी द्वारा ग्रेडेड पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रहे। इस निर्णय पर तत्कालीन चेयरमैन और सचिव ने हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने परिपत्र जारी कर 01 जुलाई से कक्षा 9 एवं 10 में तीसरी भाषा जोड़ने का निर्देश दिया और स्कूलों से कहा कि वे कक्षा 6 की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों से 9वीं के छात्रों को पढ़ाएं। उन्होंने सवाल किया कि पिछले छह महीनों में आखिर क्या बदला, जबकि एनसीईआरटी ने कक्षा 9 एवं 10 के लिए कोई नई भाषा पाठ्यपुस्तक जारी नहीं की है। इस कदम का कोई शैक्षणिक औचित्य नहीं है और इससे लाखों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है।

आकांक्षा की आत्महत्या पर राहुल ने सरकार को घेरा

नीट घोटाले ने बर्बाद कर दी युवाओं की पूरी पीढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को नीट यूजी 2026 परीक्षा के पेपर लीक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेपर घोटाले ने एक और युवा जीवन छीन लिया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले की 18 वर्षीय आकांक्षा ने नागपुर में आत्महत्या कर ली। आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी, लेकिन परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा की अनिश्चितता ने उसे गहरे अवसाद में डाल दिया। उन्होंने आगे बताया, आकांक्षा के पिता कृष्ण कुमार चतुर्वेदी एक छोटे किसान हैं। बेटी के सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड पर करीब 3 लाख रुपए का लोन लिया। लोन की राशि और कोचिंग फीस जुटाने के लिए पिता नागपुर में रसोइए का काम करने लगे। आकांक्षा नागपुर के एक कोचिंग संस्थान में रहकर तैयारी कर रही थी। आकांक्षा ने एक सुसाइड नोट में भी लिखा, जिसमें उसने कहा, 'मम्मी-पापा... अब मेरे पास नीट दोबारा देने का साहस नहीं है।' दरअसल, 5 मई को परीक्षा हुई, लेकिन कुछ दिनों बाद पेपर लीक की खबरें सामने आने लगीं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी और दोबारा परीक्षा कराने का ऐलान किया। इस खबर ने आकांक्षा को तोड़ दिया और वह गहरे अवसाद में चली गई। नीट-यूजी 2026 परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बाद एनटीए को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। सीबीआई जांच कर रही है और कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। विपक्षी दलों ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

सनसनीखेज खुलासा: खाकी की आड़ में प्राइवेट ऑफिस से करोड़ों का काला राज!

यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन का कर्मचारी 'गिरी' सुर्खियों में: सरकारी सैलरी जेब में और प्राइवेट अड्डे से बूटलेगरों से डील!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस फोर्स को बदनाम करने और कानून-व्यवस्था को कमजोर करने का एक बहुत ही शर्मनाक मामला सामने आया है। 'गिरी', जिसका नाम शहर में एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर जोर-शोर से गूंज रहा है, वह किसी प्राइवेट कंपनी का दलाल नहीं, बल्कि पुलिस डिपार्टमेंट का ही एक ऑफिशियल कर्मचारी है! चौंकाने वाली बात यह है कि खाकी वर्दी में सैलरी लेने वाला यह सरकारी आदमी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करने के बजाय वडाज पुलिस पोस्ट के पास एक 'सीक्रेट प्राइवेट ऑफिस' में बैठता है। यहां बैठकर वह खुलेआम पूरे शहर के बूटलेगरों और क्रिमिनल्स के साथ लाखों रुपये के डेली राज का काम करता है।

गुलबाई टेकरा में 'मौत का सामान': स्पा की आड़ में केमिकल वाली शराब और पाप की नगरी!

सूत्रों से मिली विश्वसनीय जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग के इस कथित प्रशासक के सीधे आशीर्वाद से गुलबाई टेकरा इलाका अपराध का बड़ा अड्डा बन गया है: केमिकल युक्त जहरीली देशी शराब: इस इलाके में बिकने वाली देशी शराब साधारण नहीं होती, बल्कि इसमें बेहद खतरनाक केमिकल होते हैं, जो कभी भी दंगा करा सकते हैं और निर्दोष नागरिकों की जान ले सकते हैं।

विदेशी शराब की कटाई: इस प्रशासक की सीधी मिलीभगत से यहां रातों-रात बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की कंटेनरों की कटाई होती है।

स्पा की आड़ में देह व्यापार: हेल्थ एंड वेलनेस स्पा के बोर्ड लगाकर अंदर ही अंदर देह व्यापार का हाई प्रोफाइल काला धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है।

बड़ा सवाल: क्या पी.आई. बावा की दिलचस्पी सिर्फ 'बड़ी किश्तों' में है?

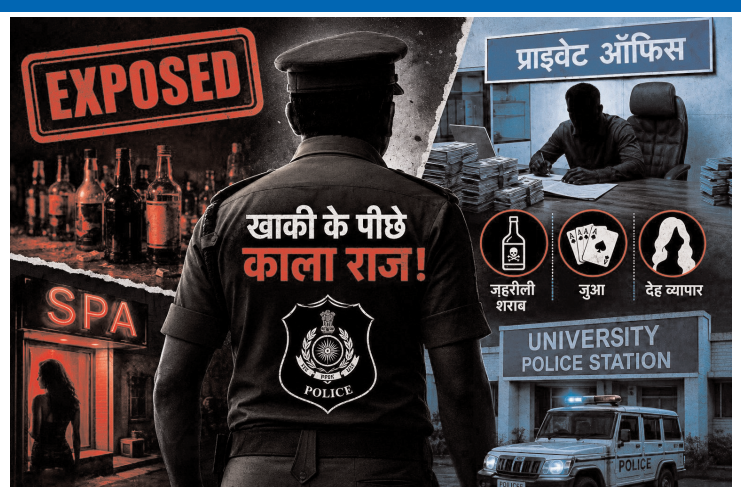

पूरे इलाके में इतना बड़ा शैतानी साम्राज्य फल-फूल रहा है, फिर भी स्थानीय पी.आई. बावा को जनता का दर्द दूर करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखती। इस पूरे काले धंधे के बारे में जब 'पाको गुजरात न्यूज़' ने बावा से बात की, तो उन्होंने हमेशा की तरह 'अनजान होने का नाटक' किया! उन्होंने कहा, 'मुझे इस मामले के बारे में कुछ नहीं पता और इलाके में चल रहे शराब और जुए के धंधे के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।' अब सवाल यह है कि क्या P.I. को सच में इतने बड़े सीरियस नेटवर्क के बारे में पता नहीं है या वह जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं? क्या उन्हें सिर्फ़ टाइम पर पहुंचने वाली 'बड़ी किश्तें' वसूलने में दिलचस्पी है?

सिस्टम के आका चुप हैं: PCB, क्राइम ब्रांच और DCP स्क्वॉड क्यों बेबस हैं?

एक आम पुलिस अधिकारी के लिए सरकारी ऑफिस छोड़कर प्राइवेट ऑफिस से इतना बड़ा काला नेटवर्क चलाना बिना किसी बड़े आशीर्वाद के मुमकिन नहीं है। चर्चा है कि एडमिनिस्ट्रेटर गिरी पर SP लेवल के अधिकारियों, बड़े गैंग लीडरों और पुलिस डिपार्टमेंट के आकाओं का सीधा हाथ है। इसीलिए स्टेट मॉनिटरिंग सेल, PCB, क्राइम ब्रांच या DCP स्क्वॉड जैसी बड़ी एजेंसियां भी इन ठिकानों पर रेड मारने में लगी हैं। इस एडमिनिस्ट्रेटर का सिस्टम इतना पक्का है कि यह रेगुलर नीचे से ऊपर तक 'एडमिनिस्ट्रेशन' पहुंचाता है, जिसकी वजह से यहां होम मिनिस्टर के सख्त निर्देशों को भी पूरी तरह से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

करोड़ों के आलीशान बंगले और लग्ज़री कारें: खाकी सैलरी में यह दौलत कहां से आई?

सालों से विवादों के केंद्र में रहे इस पुलिस ऑफिसर गिरी की दौलत देखकर ईमानदार से ईमानदार ऑफिसर भी हैरान हैं। पुलिस डिपार्टमेंट की नॉर्मल सरकारी सैलरी पर रहने वाले इस आदमी के पास आज करोड़ों रुपये का आलीशान बंगला, महंगी लग्ज़री कारें और करोड़ों की बेनामी ज़मीनों का एम्पायर कहां से आ गया? यह दौलत वडाज के प्राइवेट ऑफिस में चल रही काली एडमिनिस्ट्रेशन की कमाई का जीता-जागता सबूत है।

'महानगर मेट्रो' का होम डिपार्टमेंट और डिप्टी चीफ मिनिस्टर को खुला चैलेंज:

क्या सरकार किसी कार्रवाई का इंतज़ार कर रही है? 'महानगर मेट्रो' आज राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर और होम मिनिस्ट्री को खुली चुनौती देता है कि क्या खाकी की आड़ में शराब तस्करों से लाखों की डील करने वाले ऐसे काले लोगों के खिलाफ कोई सख्त कानूनी या डिपार्टमेंटल एक्शन लिया जाएगा? या सिस्टम के मालिक यह सब चलने देंगे? अगर गुलबाई टेकरा से केमिकल वाली शराब की वजह से शहर में कोई बड़ा हादसा या दंगा होता है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? PI बवानी या एडमिनिस्ट्रेटर गिरी? जनता अब इन काले चेहरों के खिलाफ सख्त एक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। यहां के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था। गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी। बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले व्यक्ति ने उससे कहा था- होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है।

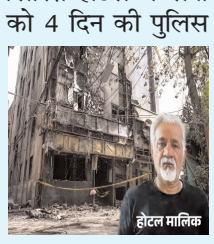

6 कमरों का लाइसेंस, 25 कमरे चल रहे थे फ्लोरिश स्टे होटल के पास बेड एंड ब्रेकफास्ट के तौर पर सिर्फ 6 कमरों का लाइसेंस था। रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के मुताबिक, पहली मंजिल पर 3 और दूसरी मंजिल पर 3 कमरे दर्ज थे। होटल सिल्वर कैटेगरी में रजिस्टर्ड था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इमारत में करीब 25 कमरे चलाए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, आग सुबह 8:30 बजे लगी। कुछ मिनट में धुआं पूरी इमारत में फैल गया। ऊपरी मंजिलों पर ठहरे लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला। फायर सर्विस, पुलिस और स्थानीय लोगों ने 58 लोगों को बाहर निकाला। इनमें 35 घायल हैं। इस दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। मैक्स अस्पताल ने बताया, 39 लोगों को लाया गया था, जिसमें 18 की अस्पताल आने से पहले मौत हो चुकी थी। 15 आईसीयू में भर्ती हैं और इनमें 8 वेंटिलेटर पर हैं। मृतकों में 11 विदेशी और 10 भारतीय हैं। विदेशियों में 9 अफ्रीकी देशों और 2 तुर्कमेनिस्तान के नागरिक हैं। शवों की पहचान के लिए ष्ठह्व टेस्ट होगा। पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर लिया है।

मालवीयनगर अग्निकांड: मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर घायलों को 5 लाख की सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में मालवीय नगर अग्निकांड के घायलों से मुलाकात की। दिल्ली सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और गंभीर रूप से घायलों को 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि देने घोषणा की है। यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट 'सीएमओ दिल्ली' पर साझा की गई है। मुख्यमंत्री ने मैक्स अस्पताल दौरे के दौरान घायलों और उनके परिवार वालों से बातचीत की। उन्होंने उपस्थित डॉक्टरों के साथ चल रहे उपचार की समीक्षा की और अधिकारियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी और गंभीर रूप से घायल लोगों को 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक घर ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल अधिकारियों के समन्वय से घायलों के चिकित्सा खर्च की व्यवस्था की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक मरीज को सर्वोत्तम संभव देखभाल मिले। दिल्ली सरकार प्रत्येक पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की जरूरत: मुख्यमंत्री मोहन माझी

मुख्यमंत्री मोहन माझी ने ब्रिक्स डीआरआरजी सत्र का उद्घाटन किया, ओडिशा के आपदा प्रबंधन मॉडल पर प्रकाश डाला

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को पुरी में आयोजित ब्रिक्स डिजास्टर रिस्क रिडक्शन वर्किंग ग्रुप (डीआरआरजी) की तकनीकी बैठक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय एवं अंतर-राज्यीय सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन आपदा जोखिम न्यूनीकरण के वैश्विक प्रयासों को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण अब केवल एक क्षेत्रीय विषय नहीं रहा, बल्कि यह आर्थिक स्थिरता, सतत विकास और मानव सुरक्षा का प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, तीव्र शहरीकरण और पर्यावरणीय क्षरण के कारण दुनिया भर में आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है, जिससे बेहतर तैयारी और समन्वित कार्रवाई अनिवार्य हो गई है। ओडिशा के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने 'शून्य मृत्यु ' सिद्धांत पर आधारित एक विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त आपदा प्रबंधन मॉडल विकसित किया है। राज्य ने वैज्ञानिक योजना, उन्नत पूर्व चेतावनी प्रणाली, मजबूत अवसंरचना, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से अपनी आपदा तैयारी क्षमता को लगातार मजबूत किया है। न्होंने कहा कि ओडिशा चक्रवात, लू, बिजली गिरने, तटीय क्षरण और शहरी जलवायु जोखिमों के प्रति संवेदनशील राज्य है।'

गिर शेरों में कौन सी बीमारी है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

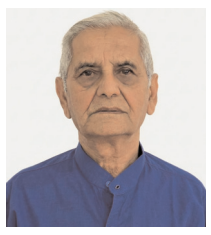

यह बीमारी 'काटने' से फैलती है। काटने वाले के काटने से - बेबेसिया - पैरासाइट - जो मलेरिया के पैरासाइट जैसा होता है, शेर के शरीर में चला जाता है, इसके असर से खून के रेड ब्लड सेल्स टूटने लगते हैं - इसलिए एनीमिया - खून की कमी हो जाती है - शरीर में कमज़ोरी आने लगती है, इम्यूनिटी कमज़ोर हो जाती है बुखार आता है, यूरिन का रंग गहरा भूरा या कॉफी जैसा हो जाता है, स्किन पीली पड़ने लगती है। इस स्थिति में, CDV - (वायरल) इन्फेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन क्योंकि बेबेसियोसिस का इलाज मौजूद है, इसलिए इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए, आमतौर पर क्विनाइन-एज़िथ्रोमाइसिन जैसी दवाएं इस्तेमाल की जाती हैं - और शुरुआती स्टेज में कंट्रोल हो जाती हैं। लेकिन - कमज़ोर इम्यूनिटी वाले लोगों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से इंफेक्शन होने की संभावना रहती है।

खाचरौद नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना की मांग तेज, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खाचरौद। खाचरौद नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना की मांग तेज, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने सौंपा ज्ञापन महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भैरूसिंह चौहान के नेतृत्व में सौंपा गया ज्ञापन अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भैरूसिंह चौहान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि खाचरौद नगर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा अतिशीघ्र स्थापित की जाए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं जिनके संघर्ष, साहस और राष्ट्रप्रेम को आज भी पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भैरूसिंह चौहान ने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे महान योद्धा की प्रतिमा नगर में स्थापित होने से समाज में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलेगा।

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के 16 दिवसीय पुरुषोत्तम मास का तीसरा दिन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनंदगांव। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के तत्वाधान में आयोजित पावन पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 16 दिवसीय सत्संग महोत्सव के तीसरे दिन दो दिवसीय श्री राधा - माधव चरित्र कथा की मीमांसा करते हुए व्यासपीठ पर अंचल के सुप्रसिद्ध भगवताचार्य पंडित अर्पित भाई शर्मा ने कहा कि राधा - माधव का चरित्र जीवन को धन्य बनाने वाला है सत्संग के बिना जीवन पूर्ण नहीं होता । भक्ति , ज्ञान एवं सत्कर्म सत्संग से ही प्राप्त होते हैं तथा सत्संग से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है , सत्संग की महिमा का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि सत्संग से विवेक उत्पन्न होता है तथा जीवन - मृत्यु , दुख - सुख की अनुभूति होती है । कथा व्यास पूज्य अर्पित भाई शर्मा ने राधा - माधव चरित्र की विवेचना करते हुए कहा कि एक ब्रह्म स्वरूप ज्योति जो दो भागों में विभक्त हुई एवं उससे राधा - माधव प्रकट हुए । पूज्य आचार्य श्री ने राधा रानी को शिव स्वरूप और श्री कृष्ण को महाकाली का स्वरूप बताते हुए कहा कि कृष्ण अवतार के समय जब भगवान शिव ने शक्ति स्वरूपा देवी से कृष्ण अवतार की चर्चा की , तब सती ने कहा कि मैंने सती एवं सीता स्वरूप में बहुत दुख प्राप्त किए हैं अतः अब आप राधा स्वरुप और मैं श्री कृष्ण स्वरूप में अवतार लेना चाहती हूं । यही कारण है कि काली स्वरूप में श्री कृष्ण ने एवं शिव स्वरूप में राधा रानी ने अवतार लिया है ।

बोडेली में बड़ी सफलता: चोरी की स्कॉर्पियो बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। छोटाउदेपुर लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने बोडेली थाना क्षेत्र से चोरी हुई स्कॉर्पियो कार बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब ?9.50 लाख कीमत की स्कॉर्पियो जब्त की है। एलसीबी टीम को मिली सूचना के आधार पर अलीराजपुर-वडोदरा हाईवे पर वाहन की घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर स्कॉर्पियो चालक भागने लगा, लेकिन वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस दौरान चालक फरार हो गया, जबकि कार में सवार एक युवक को पुलिस ने पीछा कर दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुशीलभाई मनजीभाई तोमर (19), निवासी अलीराजपुर (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर बोडेली के पीठा गांव के पास से रात के समय स्कॉर्पियो चोरी की थी। पुलिस ने चोरी की स्कॉर्पियो बरामद कर ली है, जबकि कमलेश चौहान, उमेश और करमसिंह चौहान को वांटेड घोषित कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

इडर में आवारा सांडों का आतंक: फल विक्रेता पर हमला, गंभीर हालत में अहमदाबाद रेफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इडर (साबरकांठा)। साबरकांठा जिले के इडर शहर में आवारा सांडों के आतंक का एक और गंभीर मामला सामने आया है। खरीद-विक्रय संघ के पास फल की लारी लगाकर व्यवसाय करने वाले एक फल विक्रेता पर दो सांडों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें उपचार के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इडर रेलवे स्टेशन स्थित रामेश्वर तालाब क्षेत्र निवासी राजुभाई मणिलाल पटणी मंगलवार रात करीब 8 बजे अपनी फल की लारी पर खड़े थे। इसी दौरान आपस में लड़ते हुए दो सांड उनकी लारी की ओर दौड़ पड़े और राजुभाई को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजुभाई गंभीर रूप से घायल हो गए तथा उनकी लारी भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद व्यापारियों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। घायल राजुभाई को पहले इडर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हिम्मतनगर सिविल अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकीय जांच में उनके मस्तिष्क में रक्तस्राव (ब्रेन हेमरेज) होने की पुष्टि हुई। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें आगे के उपचार के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

मेहसाणा खाकी शर्म: SP के 'कमाऊ पूत' तरुणसिंह डाभी का करोड़ों का किश्तों वाला साम्राज्य! ये कोई कांस्टेबल है या जिले का 'दूसरा सुपर SP?

खाकी के आशीर्वाद से लांगंज, नंदासण और कड़ी में जानलेवा सामान बेचने वाले बेखौफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

मेहसाणा। गुजरात में शराबबंदी के नाम पर कानून की धज्जियां उड़ाने और लोगों का भरोसा तोड़ने वाला एक बहुत ही खतरनाक सिंडिकेट मेहसाणा जिले में एक्टिव हो गया है। यहां लोगों की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि बूटलेगरों और जुआरियों से करोड़ों रुपये वसूलने के लिए कानून-व्यवस्था को ताक पर रख दिया गया है। इस पूरे काले धंधे के पीछे कोई छोटा-बड़ा गुंडा नहीं, बल्कि लांगंज थाने में ड्यूटी पर तैनात PC तरुणसिंह डाभी हैं। पूरा पंथक इस सनसनीखेज आरोप से हिल गया है कि यह भ्रष्ट कांस्टेबल जिला पुलिस प्रमुख का कथित 'एडमिनिस्ट्रेटर' बनकर पूरे मेहसाणा में एक पैरेलल गैंगस्टर राज चला रहा है!

खाकी की कसम में पाप नगरी: ये इलाके क्राइम का अड्डा बन गए हैं सूत्रों से मिली भरोसेमंद रिपोर्ट के मुताबिक, एडमिनिस्ट्रेटर तरुण सिंह के कहने पर और लोकल पुलिस की मिलीभगत से मेहसाणा के कोने-कोने में जुए के अड्डे और विदेशी शराब फैली हुई है:

लंगनाज पंथक: गोजारिया में बेचर ठाकोर, लिंच में सुरेश ठाकोर और विरसोदा-मंडली में मोसिन पुलिस के सरकारी संरक्षण में मौत का सामान बेच रहे हैं।

नंदासन इलाका: इम्तियाज और सरफराज राजपुर गांव में एक शानदार जुए का अड्डा चलाते हैं, जबकि कालूसिंह अंग्रेजी शराब का नेटवर्क चलाता है।

कड़ी पंथक: यहां, ऐसा लगता है कि कानून का कोई डर नहीं है! मनोज, जावेद, ईश्वर सिंह और किशन ठाकोर जैसे कई बूटलेगर बेखौफ होकर धंधा कर रहे हैं।

तरुण सिंह का पैरेलल फतवा: 'शराब खरीदनी है तो मेरे आदमियों से ही खरीदनी होगी!' एडमिनिस्ट्रेटर तरुण सिंह डाभी की पावर इतनी ज़्यादा है कि उनकी इजाज़त के बिना ज़िले में पत्ता भी नहीं हिल सकता। यह भाई खुद एजेंसी के नाम पर लंगंज, नंदसन, कड़ी, बावलू और संथाल पुलिस स्टेशन के इलाकों में करोड़ों रुपये इकट्ठा करता है। इंटर-स्टेट बूटलेगर–जैसे आशु अग्रवाल (अबू रोड), गुलाब सिंह (दांतीवाड़ा), छोटू बिश्नोई, सुरेश बिश्नोई और भजनलाल बिश्नोई (सांचोर)–राजस्थान बॉर्डर से मेहसाणा में शराब के पूरे कंटेनर लगा रहे हैं। तरुण सिंह ने लोकल अड्डेवालों के लिए फतवा जारी किया है कि वे शराब सिर्फ़ उनके आदमियों से खरीदें, नहीं तो उन पर रेड पड़ेगी! LCB PI कामड़िया की बेशर्मी: 'मैं तरुण डाभी को जानता भी नहीं! जब 'पाको गुजरात न्यूज़' ने इस भयानक करप्शन के बारे में मेहसाणा LCB PI कामड़िया से फ़ोन पर कॉन्टैक्ट किया, तो उन्होंने सिस्टम की लाचारी और बेशर्मी की गवाही देते हुए कहा, 'जिले में शराब और जुआ नहीं है और मुझे नहीं पता कि तरुण डाभी कौन है!' धन्य हो आपके खाकीन साहब! पूरे जिले के अफ़सर कांस्टेबलों की पावर और पावर से खुश हैं, लेकिन LCB PI इससे अनजान होने का नाटक करते हैं? लाखों रुपये का करप्शन और करोड़ों की शराब हर दिन हमारी आँखों के सामने से गुज़रती है, फिर भी डिस्ट्रिक्ट सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस और LCB चुप हैं, क्योंकि कमाई का एक बड़ा हिस्सा रेगुलर ऊपर तक पहुँचता है! छोटे कर्मचारियों को बलि का बकरा क्यों बनाया जाता है, लेकिन मास्टरमाइंड सुरक्षित क्यों है? जब भी गांधीनगर से स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम रेड करती है, तो सिर्फ़ लोकल PI या जमादार को सस्पेंड करके ड्रामा किया जाता है। लेकिन इस पूरे खेल के असली मास्टरमाइंड, एडमिनिस्ट्रेटर तरुणसिंह डाभी को ज़रा भी झटका नहीं लगता! डिस्ट्रिक्ट सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस को लिखकर बताने के बाद भी कोई एक्शन क्यों नहीं लिया गया? इसके पीछे कौन से बड़े नेता या बॉस हैं, जिन्होंने होम मिनिस्टर के निर्देशों को भी डाइल्यूट करके पी लिया है? महानगर मेट्रो का होम मिनिस्ट्री को खुला चैलेंज: क्या मेहसाणा में कोई बड़ा रैकेटियरिंग केस होने वाला है? हर दिन करोड़ों का काला धंधा करने वाले इस एडमिनिस्ट्रेटर की बेनामी संपत्ति कब सीज करने का एक्शन लिया जाएगा?

महनगर मेट्रो आज राज्य के होम डिपार्टमेंट और होम मिनिस्टर से सीधे सवाल पूछता है:

1 लंगनाज पुलिस स्टेशन का एक मामूली कांस्टेबल पूरे जिले का बाप और 'दूसरा SP कैसे बन गया? यह पूरा खेल किसके आशीर्वाद से चल रहा है?

2 अगर कल सुबह मेहसाणा जिले में इस केमिकल वाली ज़हरीली शराब की वजह से कोई 'भयानक रैकेटियरिंग केस' होता है और गरीबों के घरों का चिराग बुझ जाता है, तो इसका ज़िम्मेदार कौन होगा? डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ, LCB PI कामड़िया या हड़पने वाला तरुणसिंह डाभी? गृह मंत्रालय को अब अपनी आँखें खोल लेनी चाहिए! जनता बेसब्री से इंतज़ार कर रही है कि कब सरकारी बुलडोज़र इन खाकी वर्दी वालों और भ्रष्टाचार के पूरे सिंडिकेट पर चलेगा!

सनसनीखेज खुलासा: खाकी की आड़ में प्राइवेट ऑफिस से करोड़ों का काला राज!

सरकारी सैलरी जेब में और प्राइवेट अड्डे से बूटलेगरों से डील!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम/जावरा। जावरा नगर में लंबे समय से क्षतिग्रस्त मुख्य मार्गों, बाजारों और गली-मोहल्लों की सड़कों को लेकर आम जनता में भारी आक्रोश है। आगामी वर्षा ऋतु में संभावित दुर्घटनाओं, जलभराव और खुले से उत्पन्न होने वाले खतरों को देखते हुए 'भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट' ने सीधे शासन स्तर पर मोर्चा खोला है। ट्रस्ट द्वारा मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री माननीय श्री कैलाश विजयवर्गीय को जनहित में एक विस्तृत ज्ञापन प्रेषित कर तुरंत दंडात्मक व सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की गई है। विकास के नाम पर सड़कों को किया छलनी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव, रतलाम जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह जेतका एवं नगर अध्यक्ष शेखर नाहर द्वारा भेजे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जावरा नगर की सड़कें लंबे समय से बदहाली का आंसू रो रही हैं। पेयजल पाइपलाइन, गैस पाइपलाइन, दूरसंचार और अन्य निर्माण कार्यों के लिए नगर पालिका व संबंधित विभागों ने विभिन्न स्थानों पर सड़कों को खोदा तो सही, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उन्हें उनके हाल पर ही छोड़ दिया गया।

अधूरा भराव और लापरवाही पड़ सकती है भारी

ज्ञापन में साफ तौर पर नगर पालिका और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया गया है। पदाधिकारियों ने बताया कि कई स्थानों पर को पूरी तरह खुला छोड़ दिया गया है, तो कहीं-कहीं केवल औपचारिकता निभाते हुए 'टेम्प्रेरी' (अधूरा) भराव किया गया है। इसके कारण सड़कों पर हर तरफ मिट्टी, गिट्टी और नुकीले पत्थर फैले हुए हैं। वर्षा काल में यह लापरवाही किसी बड़े हादसे, वाहनों के फिसलने, आम जन के घायल होने और यातायात बाधित होने का गंभीर कारण बन सकती है। विशेषकर रात्रि के समय, जलभराव की स्थिति में ये खुले राहगीरों के लिए 'डेथ ट्रैप' (मौत का कुआं) साबित हो सकते हैं।

संगठन ने रखीं चार प्रमुख मांगें

मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने जनहित और नागरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए मंत्री विजयवर्गीय से निम्नलिखित बिंदुओं पर तुरंत आदेश जारी करने का आग्रह किया है

सर्कस टीवी पर, गुरु यूट्यूब पर... और छात्र चौराहे पर!

नीट और सीबीएसई के घोटाले दबाने के लिए रचा गया 'एंकर बनाम शिक्षक' का घिनौना खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देश के सबसे बड़े परीक्षा तंत्र की साख आईसीयू में वेंटिलेटर पर है। लाखों छात्रों की आंखों में आंसू हैं, और उनके मां-बाप की रातों की नींद उड़ चुकी है। उम्मीद थी कि देश का मुख्यधारा का मीडिया और शिक्षा के ठेकेदार मिलकर सरकार और परीक्षा एजेंसियों से कड़े सवाल पूछेंगे। लेकिन, इस देश की बदकिस्मती देखिए! असली मुद्दों की लाश पर इस समय टीआरपी और व्यूज का एक गंदा नाच चल रहा है। टीवी एंकरों की चीख-पुकार और यूट्यूब शिक्षकों की 'नूरा-कुश्ती' ने मिलकर देश के सबसे गंभीर छात्र-मुद्दे को एक घटिया कौमडी शो में तब्दील कर दिया है।

क्रोनोलॉजी समझिए: यह विवाद नहीं, एक 'दवा' है!

यह कोई आम लड़ाई नहीं है, यह एक सोची-समझी 'डाइवर्जन टैक्टिक' (ध्यान भटकाने की साजिश) है। जब जनता नीट के पेपर लीक, ग्रेस मार्क्स के फर्जीवाड़े और सीबीएसई के लचर रवैये पर जवाब मांग रही थी, ठीक उसी वक्त स्क्रीन पर एक नया नाटक छोड़ दिया गया।

[चरण 1: पेपर लीक और धांधली के सबूत सामने आना]

[चरण 2: छात्रों का सड़कों पर उतरकर न्यायमांगना]

[चरण 3: अचानक टीवी एंकर बनाम यूट्यूब शिक्षक का विवाद खड़ा होना]

[परिणाम: असली मुद्दा गायब, जनता तमाशा देखने में व्यस्त!]

कटघरे में दोनों पक्ष: महानगर मेट्रो के सीधे सवाल

1. टीआरपी के भूखे एंकर

जब देश का युवा डिप्रेशन में आत्महत्या कर रहा था, तब आपके पास प्राइम-टाइम में एक घंटे का समय नहीं था। लेकिन जैसे ही दो शिक्षकों की आपसी लड़ाई का 'मसाला' मिला, आपने अदालतें सजा दीं। आपका कैमरा छात्रों के फटे हुए भविष्य को नहीं देखता, उसे सिर्फ चिल्लाते हुए चेहरे चाहिए।

2. करोड़ों के पैकेज वाले 'क्रांतिकारी' शिक्षक:

कल तक जो खुद को 'राष्ट्र निर्माता' और छात्रों का मसीहा कहते थे, आज वो लाइव कैमरे पर आकर रोने और एक-दूसरे को 'बिकाऊ' साबित करने का धंधा कर रहे हैं। कड़वा सच यह है: ये शिक्षक अब गुरु नहीं रहे, ये अरबों रुपये की कंपनियों के मुख्य कार्यकारी और सेल्समैन बन चुके हैं। इन्हें छात्रों के भविष्य से ज्यादा अपनी कंपनी के 'शेयर प्राइस' और 'कोर्स सेलिंग' की चिंता है।

खो गए वो 5 असली सवाल, जिन्हें दबा दिया गया

1. पेपर लीक का मास्टरमाइंड कौन है? उस पर बुलडोजर क्यों नहीं चला?

2. परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय क्यों नहीं हुई? उनके बड़े अधिकारी अब भी कुर्सियों पर क्यों बैठे हैं?

3. सीबीएसई के मूल्यांकन में इतनी विसंगतियां क्यों हैं? छात्र अपनी ही कॉपियां दोबारा जांचने के लिए दर-दर क्यों भटक रहे हैं?

4. कोचिंग माफियाओं के इस सिंडिकेट को सरकारी शह क्यों मिली हुई है?

5. क्या इस देश में गरीब और मध्यमवर्गीय बच्चे का डॉक्टर या इंजीनियर बनने का सपना देखना गुनाह है?

महानगर मेट्रो का अंतिम प्रहार

'छात्रों और अभिभावकों, जागिए!' यह मीडिया और ये तथाकथित शिक्षक आपकी लड़ाई नहीं लड़ रहे। ये आपकी लाचारी और गुस्से का इस्तेमाल करके अपने बैंक खाते भर रहे हैं। जब तक इस देश का युवा इन टीवी और यूट्यूब के 'सर्कस' को देखना बंद नहीं करेगा, तब तक सिस्टम ऐसे ही पेपर लीक करता रहेगा और आपके भविष्य को बेचता रहेगा। महानगर मेट्रो यह साफ चेतावनी देता है–अगर आज हम इस ड्रामे के खिलाफ नहीं बोले, तो आने वाली नस्लें हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

आज का विचार:

'जिस देश का मीडिया और शिक्षक मिलकर छात्रों के आंसुओं का मज़ाक बनाने लगें, समझ जाइये कि उस देश की व्यवस्था वैचारिक रूप से दिवालिया हो चुकी है।' – महानगर मेट्रो

तेज बारिश और आंधी से गोधरा के कई इलाकों में बिजली गुल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। गोधरा शहर में बुधवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं और धूल भरी आंधी के साथ शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने दिनभर की भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत तो दी, लेकिन इसके साथ ही नई परेशानियां भी खड़ी कर दीं। तेज तूफानी हवाओं के चलते शहर के अधिकांश क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार, शाम के समय अचानक मौसम बदल गया और देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ धूल के गुबार उठने लगे। इसके बाद शुरू हुई जोरदार बारिश ने पूरे शहर को भिगो दिया। बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर विद्युत व्यवस्था प्रभावित हो गई।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का बड़ा प्रहार: अवैध खनन और परिवहन में इस्तेमाल 4 वाहन जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। पंचमहल जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन, ट्रक और ट्रैक्टर सहित कुल चार वाहनों को जब्त किया है। इस कार्रवाई में 90 लाख से अधिक मूल्य का मुद्देमाल कब्जे में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, जिला खनन एवं खनिज विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अचानक छापेमारी कर अवैध खनन गतिविधियों पर शिकंजा कसा। कार्रवाई के दौरान कालोल तालुका के नेसड़ा गांव में अवैध उत्खनन करते हुए एक जेसीबी मशीन को सीज किया गया। वहीं, गोधरा की परवड़ी चौकड़ी के पास ओवरलोड साधारण रेत से भरा एक ट्रक पकड़ा गया। इसके अलावा मोरवा हडफ तालुका के सालिया गांव के निकट बिना रॉयल्टी पास के रेत का परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टरों को भी जब्त किया गया। खनन विभाग द्वारा की गई इस सख्त कार्रवाई से जिले में सक्रिय खनिज माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

नीम का विशाल पेड़ गिरने से टेंपो चालक की मौत, दो गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। आणंद जिले के बोरसद तालुका के अलारसा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के बस स्टैंड के पास स्थित वर्षों पुराना विशाल नीम का पेड़ अचानक धराशायी हो गया, जिससे उसके नीचे खड़े एक रिक्शा, टेंपो और फल की लारी दब गई। हादसे में दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि टेंपो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस स्टैंड के समीप स्थित यह पुराना नीम का पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा। पेड़ गिरते ही नीचे खड़े वाहन पूरी तरह इसकी चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना दोपहर के समय हुई, जिसके कारण बड़ी जनहानि टल गई। शाम के समय इसी पेड़ के नीचे गांव के बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में बैठते हैं। यदि हादसा उस समय हुआ होता तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी। फिलहाल मृतक टेंपो चालक की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है।

सीमेंट के खंभों से भरे ट्रक ने ट्रैक्टर को कुचला, पिता की आंखों के सामने बेटे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। छोटाउदेपुर जिले में एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। घेलवांट आश्रमशाला के निकट सीमेंट के भारी-भरकम खंभों से भरे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक चालक नियंत्रण खो बैठा और पूरा ट्रक ट्रैक्टर के ऊपर चढ़ गया। इस भीषण दुर्घटना में ट्रैक्टर में सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि पिता-पुत्र दोनों ट्रैक्टर में डीजल भरवाने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और गंभीर रूप से घायल पिता को छोटाउदेपुर जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम छा गया है।

डभोई-शिनोर चौकड़ी के पास विशाल हादसे का खतरा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाने वाले पर्यटकों की जान जोखिम में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा Statue of Unity को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग डभोई-शिनोर चौकड़ी के पास बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। मुख्य हाईवे पर दो स्थानों पर बड़े-बड़े बन गए हैं, जो दिन-प्रतिदिन और अधिक गहरे तथा खतरनाक होते जा रहे हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों स्थानीय वाहन और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के वाहन गुजरते हैं। ऐसे में सड़क की जर्जर हालत किसी भी समय बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कार्यालयों में बैठकर कागजों पर विकास कार्यों का दावा कर रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। क्षेत्रवासियों का सवाल है कि यदि इन गहरे के कारण कोई बड़ा सड़क हादसा होता है या किसी व्यक्ति की जान जाती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? लगातार बढ़ते खतरे के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं किए जाने से लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि राज्य राजमार्ग विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें और तत्काल प्रभाव से को भरने तथा सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू करें। उनका कहना है कि प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय समय रहते आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और मार्ग एवं भवन विभाग इस गंभीर समस्या पर कब संज्ञान लेते हैं। फिलहाल जनता को आशंका है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो यह मार्ग किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

सूरत मनपा में ACB की बड़ी कार्रवाई: सहायक अभियंता जिग्नेश मोदी 45,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत महानगरपालिका में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उधना जोन में कार्यरत सहायक अभियंता (वर्ग-2) जिग्नेशभाई नटवरलाल मोदी (55) को 45,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक ठेकेदार ने उधना जोन क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का सरकारी कार्य पूरा किया था। कार्य का बिल मंजूर करने और भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले सहायक अभियंता जिग्नेश मोदी ने 50,000 की रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के दौरान रिश्वत की रकम 45,000 तय हुई। ठेकेदार रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था, इसलिए उसने एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एसीबी ने जाल बिछाया और उधना साउथ जोन कार्यालय के बाहर ट्रैप की योजना बनाई। बुधवार को जैसे ही जिग्नेश मोदी ने शिकायतकर्ता से 45,000 की रिश्वत स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने रिश्वत की पूरी राशि भी बरामद कर ली। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी जिग्नेश मोदी वर्ष 2021 में भी रिश्वतखोरी के मामले में पकड़ा जा चुका है। उस समय वह रांदेर जोन में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत था और ड्रेनेज कनेक्शन की मंजूरी के लिए 15,000 की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हुआ था।

सूरत मनपा में ACB की बड़ी कार्रवाई: सहायक अभियंता जिग्नेश मोदी 45,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए राज्य के गृह एवं खेल मंत्री Harsh Sanghavi ने एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। गांधीनगर महानगरपालिका के पदाधिकारियों, विभिन्न समितियों के प्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंत्री हर्ष संघवी ने शहर में चल रहे सड़क, ड्रेनेज, पेयजल और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता के कर से किए जा रहे सभी विकास कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। साथ ही नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। मंत्री ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, इसलिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मिलकर लोककल्याणकारी शासन व्यवस्था को और मजबूत बनाना चाहिए।

सरदारपुर में निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर: 204 मरीजों की जांच, 56 का होगा मुफ्त ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सरदारपुर । भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट, चोइथराम नेत्रालय इंदौर एवं जिला अंधत्व निवारण समिति धार के संयुक्त तत्वावधान में सरदारपुर सिविल अस्पताल में विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद निवारण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रभारी सीबीएमओ डॉ. सचिन द्विवेदी ने किया। शिविर में 204 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 56 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन किया गया। सभी चयनित मरीजों को विशेष बस से चोइथराम नेत्रालय, इंदौर भेजा गया, जहां उनके ऑपरेशन, लेंस, भोजन, आवास और परिवहन की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। नेत्र चिकित्सा सहायक सतीश पाराशर सहित चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आतिम जमाई को नीलेश सुराणा की खरी-खरी, साधु-संतों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग बनाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

जावरा। जैन समाज पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर समाजसेवी एवं जैन राष्ट्रीय एकता संगठन मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष नीलेशकुमार सुराणा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आतिम जमाई को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि गलती के बाद माफी मांगना कोई एहसान नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैन समाज का नाम लेकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिशें बंद होनी चाहिए। हाल ही में एक राष्ट्रीय समाचार चैनल पर प्रसारित बहस के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आतिम जमाई ने जैन समाज को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उनके बयान के बाद देशभर के जैन संगठनों एवं समाजजनों में नाराजगी देखी गई और उनसे बिना शर्त माफी की मांग की गई। बाद में उन्होंने माफी तो मांगी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि मुस्लिमों के बाद जैन समाज को सबसे अधिक परेशान किया जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजसेवी नीलेशकुमार सुराणा ने कहा कि माफी मांगकर कोई एहसान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जैन समाज को कौन सम्मान देता है और कौन उसे निशाना बनाता है, इसका पूरा ज्ञान समाज को है। जैन समाज को राजनीतिक बयानबाजी का माध्यम बनाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैन धर्म, जैन दर्शन और प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के इतिहास एवं योगदान को समझे बिना किसी भी प्रकार की टिप्पणी करना अनुचित है। सुराणा ने पुणे विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी कार्यक्रम में जैन साधु-संतों को आमंत्रित किया जाता है तो उन्हें पूरा सम्मान और गरिमा मिलनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में साधु-संतों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटनाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में जैन समाज और उसके साधु-संतों को निशाना बनाने का प्रयास किया गया तो समाज उसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा। नीलेशकुमार सुराणा वर्तमान में जैन राष्ट्रीय एकता संगठन मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय सनातन महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री, जिसो के राष्ट्रीय मंत्री, ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रिनोवेशन ट्रस्ट मध्यप्रदेश इकाई के स्टेट इंचार्ज, युवक महासंघ मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश मंत्री एवं भारत विकास परिषद जावरा में पर्यावरण और जल संरक्षण विभाग का दायित्व संभाल रहे हैं। वे अपनी बेबाक कार्यशैली और समाजसेवा के लिए व्यापक पहचान रखते हैं। सुराणा ने रीवा में विहार के दौरान साध्वीजी की हुई हत्या पर भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि देशभर में विहाररत साधु-संतों, श्रावक-श्राविकाओं और सेवकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि कई बार दुर्घटनाओं, हमलों और आपराधिक घटनाओं में धर्माचार्यों को निशाना बनाया जाता है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की कि साधु-संतों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर ठोस नीति बनाई जाए तथा 'राष्ट्रीय साधु-संत सुरक्षा आयोग' का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत संतों और आध्यात्मिक परंपराओं की भूमि है, इसलिए देशभर में विहार करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सुनिश्चित करना शासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

राष्ट्र सर्वोपरि: पीएम मोदी की अपील पर स्वामी चक्रपाणि महाराज ने ठुकराया ऑस्ट्रेलिया संसद का आमंत्रण!

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। देशहित और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को सर्वोपरि मानते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जगद्गुरु सनातन सम्राट परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने एक मिसाल पेश की है। स्वामी जी ने ऑस्ट्रेलिया की संसद में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 13वें 'भारत गौरव सम्मान' समारोह में सम्मिलित होने का आमंत्रण विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया है। संस्कृति युवा संस्था द्वारा जारी आधिकारिक आमंत्रण पत्र के अनुसार, यह भव्य अवॉर्ड समारोह आगामी 10 जून 2026 को ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य की संसद के क्वीन हॉल में आयोजित होना तय था। इस ऐतिहासिक अवसर पर स्वामी चक्रपाणि जी महाराज को उनके राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान के लिए 'भारत गौरव सम्मान' से अलंकृत किया जाना था। इस यात्रा के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार के गृह विभाग द्वारा आज, 4 जून 2026 को ही स्वामी जी का ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक वीज़ा भी स्वीकृत कर दिया गया था। वीज़ा मिलने के बाद सिडनी और मेलबर्न प्रवास का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो चुका था, लेकिन स्वामी जी ने राष्ट्र प्रथम की भावना को चुना। स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने अपने फैसले पर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से विदेश यात्राओं को स्थगित करने और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की अपील की है, तब एक जिम्मेदार संत होने के नाते उनका प्रथम कर्तव्य इस अपील का सम्मान करना है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का स्मरण करते हुए कहा कि सच्ची देशभक्ति राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति त्याग और अनुशासन में है। स्वामी जी के इस साहसिक और अनुकरणीय निर्णय की संत समाज और वरिष्ठ राजनेताओं द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

युवक पर जानलेवा हमले के विरोध में बाजार पूरी तरह ठप, एसआईटी गठित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल, (मुकेश सोलंकी)। शहर में बीते दिनों देवासी समाज के एक युवक पर हुए बेरहमी से जानलेवा हमले के विरोध में गुरुवार को भीनमाल कस्बा पूरी तरह बंद रहा। घटना को लेकर सर्वसमाज और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। कानून-व्यवस्था की बदहाली और आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज व्यापारियों ने सुबह से ही अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बंद को सफल बनाने में विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने सक्रिय सहयोग दिया। दोपहर तक शहर के मुख्य बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी व्यावसायिक गतिविधियां पूरी तरह ठप रहीं। उपखंड अधिकारी कार्यालय के बाहर भारी प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन आक्रोशित नागरिक, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि और अग्रज नेता बड़ी संख्या में उपखंड अधिकारी कार्यालय के आगे एकत्रित हुए । प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ढिलाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोपहर तक कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरने पर बैठ गए। आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ पुजा सक्सेना एवं उपखंड अधिकारी मोहित कासनियां को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों को अविलंब सलाखों के पीछे भेजने की पुरजोर मांग की। मामले की जांच के लिए स्ढूञ्ज का गठनः पूर्व विधायक पूराराम चौधरी धरनास्थल पर जनता के बीच पहुंचे पूर्व विधायक पूराराम चौधरी ने भीड़ को संबोधित करते हुए एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस संवेदनशील मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच के लिए विशेष जांच दल (स्ढूञ्ज) का गठन कर दिया गया है। फरार आरोपियों को दबोचने के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पूर्व विधायक ने जनता को भरोसा दिलाया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में यह भी कहा कि अगर पुलिसिया कार्रवाई में ढील दी गई, तो जनता दोबारा सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सांवलाराम देवासी ने कहा कि भीनमाल की धरती अपराधियों को कभी पनाह नहीं देती। दोषियों को यह साफ समझ लेना चाहिए कि यहाँ की जनता अन्याय के खिलाफ एक जाजम पर खड़ी है।

महानगर मेट्रो के विश्लेषण पर लगी मुहर

घुमका नगर पंचायत चुनाव में फूलमती वर्मा की शानदार जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव, (हेमंत वर्मा)। राजनांदगांव जिले के घुमका में पहली बार आयोजित नगर पंचायत चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी फूलमती वर्मा ने जीत दर्ज कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी किरण वर्मा को पराजित किया। उल्लेखनीय है कि चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले महानगर मेट्रो ने अपने विश्लेषण में स्पष्ट संकेत दिए थे कि घुमका में मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा है, लेकिन स्थानीय मुद्दों पर जनता की नाराजगी सत्ता पक्ष के लिए चुनौती बन सकती है। चुनावी माहौल का आकलन करते हुए यह भी कहा गया था कि क्षेत्र में सत्ता विरोधी लहर दिखाई दे रही है और इसका लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सभाओं में उमड़ी भीड़ और दूसरी ओर भाजपा द्वारा मंत्रियों एवं निगम-मंडलों के पदाधिकारियों की व्यापक चुनावी सक्रियता को भी राजनीतिक संकेत के रूप में देखा गया था। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर शराब दुकान, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं को लेकर लोगों में असंतोष भी महसूस किया गया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि घुमका में मतदाताओं ने स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए अपना फैसला सुनाया है। ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बने क्षेत्र में हुए इस पहले चुनाव में जनता ने कांग्रेस की फूलमती वर्मा पर भरोसा जताया और उन्हें नगर पंचायत अध्यक्ष चुना। चुनाव परिणामों के बाद यह चर्चा भी तेज हो गई है कि महानगर मेट्रो द्वारा प्रस्तुत चुनावी विश्लेषण और जमीनी आकलन काफी हद तक सटीक साबित हुआ। स्थानीय राजनीतिक हलकों में इस परिणाम को क्षेत्रीय मुद्दों और जनभावनाओं की जीत के रूप में देखा जा रहा है।

मुंबई में दिल दहला देने वाली वारदात: प्रेम विवाह से नाराज पिता ने अपनी ही बेटी की कर दी हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेम विवाह से नाराज एक पिता ने अपनी ही 25 वर्षीय बेटी की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना ने पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते को शर्मसार कर दिया है और पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के दूध नाका क्षेत्र स्थित एक आवासीय परिसर में रहने वाली 25 वर्षीय गायत्री शिंदे ने परिवार की इच्छा के विरुद्ध प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद वह पहली बार अपने मायके आई थी। इसी दौरान विवाह को लेकर पिता और बेटी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद इतना बढ़ गया कि 50 वर्षीय पिता विनोद वसईकर ने आपा खो दिया और घर में रखी धारदार चाकू से बेटी पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल गायत्री की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने कल्याण क्षेत्र से ही आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में प्रेम विवाह को लेकर नाराजगी को हत्या का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

कालोल के खंडोली गांव में पुलिस का छापा घर से अंग्रेजी शराब बरामद, महिला बूटलेगर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालोल। पंचमहल जिले के कालोल तालुका के खंडोली गांव में कालोल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से अवैध रूप से रखी गई अंग्रेजी शराब का जखीरा बरामद किया है। हालांकि पुलिस की दबिश के दौरान आरोपी महिला मौके से फरार मिली, जिसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, कालोल पुलिस की पेट्रोलिंग टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खंडोली गांव के जालाराम मंदिर फलिया में रहने वाली संगीताबेन महेशभाई परमार अपने घर में अंग्रेजी शराब का भंडारण कर बिक्री कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने स्थानीय पंचों की मौजूदगी में मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान घर के भीतर से एक प्लास्टिक की थैली बरामद हुई, जिसमें 'गोवा व्हिस्की' ब्रांड के 180 मिलीलीटर के 12 सीलबंद क्वार्टर मिले।

कोटा-मंदसौर एक्सप्रेस को रतलाम-नागदा मार्ग से चलाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। रेलवे विशेष रुचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा और समाजसेवी दीपक जैन ने गाड़ी संख्या 19816/19815 कोटा-मंदसौर एक्सप्रेस का संचालन रतलाम-नागदा मार्ग से करने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे मंदसौर, जावरा, रतलाम, नागदा, आलोट, चौमहला और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय-सारणी और रैक उपलब्धता को देखते हुए यह प्रस्ताव व्यवहारिक है। इससे विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को आवागमन के अधिक सुविधाजनक विकल्प मिलेंगे तथा क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सकलेचा और जैन ने पश्चिम रेलवे प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से जनहित में इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

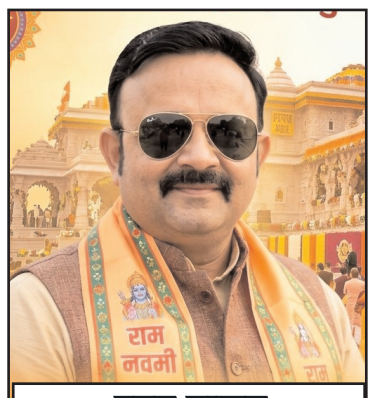

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पॉच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्लप्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्व (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक

प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया?

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीखः यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

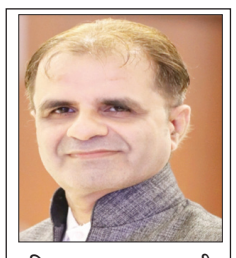

किशन सनमुखदास भावनानी
महाराष्ट्र

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

सीएम योगी से मिले पंकज चौधरी, चुनावी मोड में यूपी बीजेपी! संगठन की नई टीम और दायित्वों पर लगेगी मुहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने दिल्ली से लौटते ही सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। जिसमें प्रदेश संगठन की नई टीम और दायित्व बंटवारे को लेकर चर्चा की गई। यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सीएम योगी से मुलाकात की (फाइल फोटो) लखनऊ उत्तर प्रदेश में बीजेपी संगठन पूरी तरह से चुनावी मोड में जुट गया है। इसके लिए प्रदेश संगठन की नई टीम और सरकार में दिग्गजों को दायित्व सौंपने पर फाइनल मुहर लग सकती है। इसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने दिल्ली से लौटते ही सीएम योगी आदित्यनाथ से विस्तार से चर्चा की। बीते एक सप्ताह तक हाईकमान के साथ दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की इन सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई है। जिसके बाद सीएम योगी से भी मंत्रणा की गई। बीजेपी ने इस मुलाकात के पीछे की वजह मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों उत्सवों को लेकर तैयारियों की समीक्षा होना बताया है।

योगी की सहमति के बाद जारी होगी लिस्ट

जबकि सूत्रों का कहना है कि दिल्ली से लौटने के बाद सीएम योगी से प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी के विस्तार और नए दायित्वधारियों की लिस्ट पर भी चर्चा हुई है। सीएम योगी की सहमति के बाद ही लिस्ट जारी होगी।

चुनावी मोड में योगी

इससे पहले सीएम योगी ने मंत्रियों के जिलों के प्रभार में बड़ा फेरबदल किया। साथ ही नए मंत्रियों को भी अहम जिम्मेदारियां सौंपी। जिसके जरिए साफ संदेश है कि सीएम योगी अब पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गए हैं। इसके साथ ही मंत्रियों को अब रात्रि प्रवास और चौपाल लगाने के साथ ही अधिकारियों को जनता के बीच जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जनता के बीच जाए सही संदेश

जिससे जनता के बीच मोदी और योगी सरकार के कार्यों को पहुंचाया जा सके। इसें अलावा अब संगठन विस्तार और करीब 25 सीनियर नेताओं को निगम, आयोग, बोर्ड एवं प्राधिकरण में एडजस्ट किया जाएगा। जिससे संगठन से लेकर सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने के अलावा सभी को एकजुट कर चुनावी साल में जनता के बीच बेहतर इमेज पहुंचे।

बदायूं : कोर्ट सुरक्षा में तैनात दरोगा की संदिग्ध मौत, किराए के कमरे में फंदे से लटकता मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में कोर्ट सुरक्षा में तैनात एक सब इंस्पेक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। दरोगा मेघ श्याम गौतम का शव सिविल लाइन थाना क्षेत्र की मधुबन कॉलोनी स्थित उनके किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला है। घटना की सूचना पर एसएसपी अंकिता शर्मा, फोरेंसिक टीम, अन्य अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

कोर्ट सुरक्षा में तैनात थे दरोगा

जानकारी के अनुसार, मृतक दरोगा मेघ श्याम गौतम पुत्र रतनलाल गौतम मूल रूप से मथुरा जिले के गोविंद नगर थाना क्षेत्र के सकना गांव के निवासी थे। वह वर्तमान में बदायूं कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे और पिछले लगभग एक वर्ष से मधुबन कॉलोनी में विकेश राठौर के मकान में किराए पर रह रहे थे।

फोन नहीं उठाने पर परिजनों को हुआ शक

गुरूवार सुबह परिजनों ने सब इंस्पेक्टर मेघ श्याम गौतम को कई फोन कॉल किया। लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। लगातार फोन कॉल न उठाने पर परिजनों को अनहोनी की आंशका हुई। इसके बाद उन्होंने मकान मालिक विकेश राठौर से संपर्क कर दरोगा से बात कराने को कहा। मकान मालिक ने कमरे का दरवाजा खटखटाया और काफी देर तक आवाज लगाई। लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

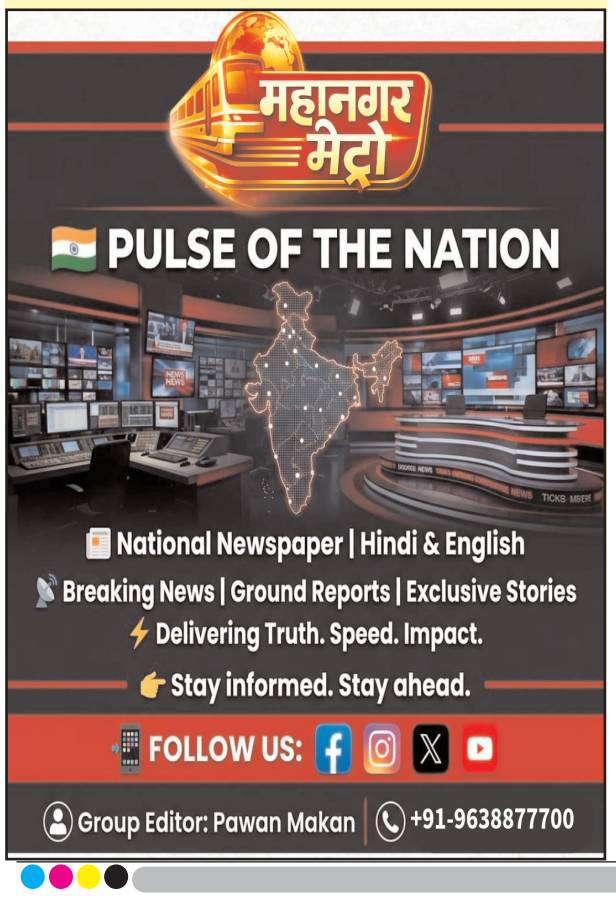

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरान ने बरसाए बम, उज्जैन के मंजूर अहमद की मौत, भांजी की शादी में शामिल होने आ रहे थे इंडिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन. ईरान ने कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमला किया है। इस हमले में उज्जैन के मंजूर अहमद की मौत हो गई है। वह अपनी भांजी की शादी में शामिल होने के लिए लौट रहे थे। उज्जैन ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रोन और मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस भीषण हमले में एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 पूरी तरह तबाह हो गया है, जबकि 63 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उज्जैन के एक व्यक्ति की मौत

इस हमले ने मध्य प्रदेश के उज्जैन के एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। हमले में राज रॉयल कॉलोनी के रहने वाले 50 वर्षीय मंजूर अहमद की मौत हो गई। मंजूर पिछले 30 सालों से कुवैत में टेलरिंग का काम कर रहे थे और 8 जून को अपनी भांजी की शादी में शामिल होने घर लौट रहे थे।

बेटे हुई थी आखिरी बात

बेटे मोहम्मद अनस ने बताया कि मंगलवार शाम ही पिता से आखिरी बात हुई थी। उन्होंने बेहद खुश होकर कहा था, नागदा वाली ट्रेन से आऊंगा, लेने आ जाना। परिवार स्टेशन जाने की तैयारी कर रहा था, लेकिन उससे पहले मौत की खबर आ गई। मंजूर अपने पीछे प%ी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। घर के बार जमा हुए लोग मंजूर अहमद की मौत की खबर आते ही मौहल्ले में खामोशी फैल गई। पड़ोसी और परिजन परिवार को दिलासा देने घर पहुंचे हुए है। घर के बाहर लोग परिवार सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। पहले भी हो चुके हैं भारतीयों की मौत कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं पिछली बार हुए हमले में भी 10 भारतीयों की हो गई थी मौत मंजूर अहमद अपनी भांजी की शादी के लिए लौट रहे थे इंडिया इसी दौरान ईरान ने किया एयरपोर्ट पर हमला परिवार ने मांगी मदद मृतक के बेटे मोहम्मद अनस ने कहा कि हमें सूचना एंबेसी की तरफ से मिली है। उनसे शाम को बात हुई थी। उनका शव कुवैत से अहमदाबाद पहुंचेगा। हमने प्रशासन से मांग की है कि उनका शव लाने के लिए हमें एंबुलेंस उपलब्ध करवाएं।

भोपाल में एक्स गर्लफ्रेंड पर युवक ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, बचाने आई बहन को भी किया घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। शंकर नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर बीच सड़क चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसे बचाने आई उसकी बड़ी बहन पर भी आरोपी ने वार कर दिया. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के शंकर नगर इलाके में एक युवक ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड पर जानलेवा हमला कर दिया. इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बीच-बचाव करने आई उसकी बड़ी बहन भी चोटिल हो गई. पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान अक्षय चंदेल के रूप में हुई. उसने एक्स गर्लफ्रेंड को रास्ते में रोका और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए. आरोपी ने पीड़िता की गर्दन, चेहरे, पीठ और हाथों पर कई वार किए. कुछ ही पलों में सड़क खून से सन गई और युवती गिर पड़ी. इस दौरान जब युवती की बड़ी बहन उसे बचाने के लिए आगे आई, तो आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया. इस हमले में उसके गाल पर गहरा घाव हुआ है. जैसे ही आसपास के लोग शोर सुनकर इकट्ठा होने लगे, आरोपी मौके से फरार हो गया. इलाके में कुछ देर के लिए दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया गया. यह पूरी घटना पास लगे CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है.

Sorry, मम्मी-पापा, दोबारा NEET देने की हिम्मत नहीं है...पेपर लीक के चलते छात्रा ने लगाई फांसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊगंज। मध्यप्रदेश के मऊगंज जिले में हृश्वश्वञ्ज की तैयारी कर रही छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी की मौत से परिवार सदमे में है. परिजनों का आरोप है कि परीक्षा में अच्छे अंक आने की उम्मीद के बावजूद पेपर लीक और रद्द होने की घटनाओं से वह मानसिक तनाव में थी. मौके से मिले नोट ने पूरे मामले को भावुक और गंभीर बना दिया है. मध्यप्रदेश के नवगठित जिले मऊगंज मगनिया गांव की रहने वाली एक छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने घर में लगे पंखे पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली परिजनों का आरोप है बेटी हृश्वश्वञ्ज की तैयारी कर रही थी. उसे हाल में दी परीक्षा में 650 अंक भी आने की उम्मीद थी लेकिन पेपर लीक होने और रद्द के बाद से वह डिप्रेशन में थी और उसने इस तरह का कदम उठा लिया जिसके बाद पूरा परिवार सदमे में हैं.

कुक की नौकरी की, पिता ने लोन लेकर कराई तैयारी

आकांक्षा के घर की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने के बाद भी आकांशा के किसान पिता

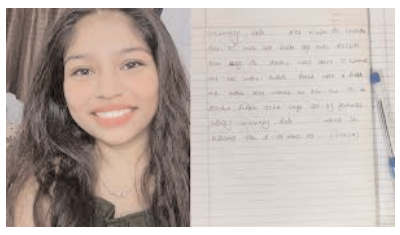

क्रेडिट कार्ड से 3 लाख रुपए लोन लिए थे. परिवार वाले उसे नागपुर के एक निजी कोचिंग में तैयारी करा रहे थे. पिता कृष्ण कुमार चतुर्वेदी किसानी करते थे लेकिन बेटी को पढ़ाने के लिए नागपुर में कुक की नौकरी करने लगे थे और वहीं बेटी को पढ़ा रहे थे. नीट का पेपर भी जब हुआ तो पूरे परिवार को भरोसा था कि इस बार चयन हो जाएगा और उनकी बेटी डाक्टर बन जाएगी लेकिन पेपर लीक होने के बाद वह ड्रिपेशन में चली गई और पूरे परिवार खुशियां चली गई. 'सॉरी, मम्मी पापा.. अब हिम्मत नहीं है' मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उसने लिखा था कि सॉरी, मम्मी पापा आपको भरोसा था कि मेरी बेटी पढ़ लेगी और डाक्टर बनेगी पर दोबारा नीट का पेपर देने की हिम्मत नहीं है. मैंने आप दोनों को बर्बाद कर दिया दोबारा पेपर अच्छा जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं है.

नीट पेपर लीक मामला

NEET UG 2026 परीक्षा रद्द होने से देशभर के लाखों अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है. 3 मई को आयोजित परीक्षा के बाद पेपर लीक की आशंका सामने आई थी. NT के मुताबिक 7 मई की शाम परीक्षा में अनियमितताओं की जानकारी मिली, जिसके बाद मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंप दी गई. 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई और दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया. इसके बाद 15 मई को शिक्षा मंत्रालय और NT ने 21 मई को री-एग्जाम आयोजित करने की घोषणा की. पूरे मामले की जांच CBI कर रही है और अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है. एक ओर सुप्रीम कोर्ट में लगातार नई याचिकाएं दायर की जा रही हैं और परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव, जैसे पेन-पेपर मोड के स्थान पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा लागू करने की मांग उठ रही है. वहीं दूसरी ओर, लीक मामले से जुड़े नेटवर्क के सदस्यों पर जांच एजेंसियां और कानून लगातार शिकंजा कस रहे हैं तथा उनके खिलाफ कार्रवाई तेज होती जा रही है.

यूपी में सपा MP का छलका दर्द, बोले- हम पाकिस्तान के सांसद थोड़े ही हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखीमपुर। खीरी जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित दिशा की बैठक के दौरान विकास कार्यों के शिलापटों पर नाम न होने से नाराज धौरहरा लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने प्रशासनिक अधिकारियों पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए तीखा सवाल उठाया है. धौरहरा लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है. लखीमपुर खीरी जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विकास कार्यों के सरकारी शिलापटों पर अपना नाम न लिखे जाने के विरोध में उन्होंने जिला अधिकारी के सामने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया. यह बैठक खीरी लोकसभा सीट से सपा सांसद उत्कर्ष वर्मा की अध्यक्षता और आनंद भदौरिया के नेतृत्व में चल रही थी, जिसमें डीएम अंजनी कुमार सिंह सहित जिले के सभी आला अधिकारी मौजूद थे. सांसद ने ब्लॉक, नगर पालिका और जिला पंचायत स्तर के कार्यों में हो रही उपेक्षा के खिलाफ आवाज उठाई.

कलेक्ट्रेट की बैठक में मचा हड़कंप

सभागार में चल रही समीक्षा बैठक के दौरान अचानक उस समय हड़कंप मच गया जब सपा सांसद आनंद भदौरिया ने एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मुद्दा उठाया. सांसद भदौरिया ने सीधे डीएम को संबोधित करते हुए कहा कि खंड विकास, क्षेत्र पंचायत, ब्लॉक स्तर या नगर पंचायत स्तर से कराए जाने वाले किसी भी विकास कार्य के शिलापट पर किसी भी सांसद का नाम नहीं लिखा जा रहा है. उन्होंने कहा कि मोहम्मदी और पास के गांवों में तो वह अपना नाम ढूंढते रह जाते हैं, लेकिन कहीं भी उनका नाम दर्ज नहीं है. सांसद आनंद भदौरिया ने बैठक में अधिकारियों के सामने अपना दर्द और नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब शासन का स्पष्ट निर्देश है कि सारे जनप्रतिनिधियों के नाम शिलापट पर होने चाहिए, तो इस नियम का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सांसद आखिर सांसद होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या फिर विपक्ष का. हम कोई पाकिस्तान के सांसद थोड़े ही हैं, हम तो हिंदुस्तान के ही सांसद हैं. विकास कार्यों के पत्थरों पर नाम लिखने में किसी का कुछ नहीं जाता. बैठक के भीतर का यह पूरा वाकया वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे सपा सांसद कलेक्ट्रेट सभागार में लगे दिशा बैठक के आधिकारिक बैनर के नीचे बैठकर अपनी बात रख रहे है.

ट्रेन में सीट को लेकर हुआ विवाद, बैतूल स्टेशन पर 15 गुंडों ने 18 साल के अली को कोच से खींचकर पीट-पीटकर मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। भोपाल आ रही पंचवैली एक्सप्रेस में ट्रेन की सीट को लेकर हुआ मामूली विवाद हत्या में बदल गया। बैतुल के बोरदेही रेलवे स्टेशन पर एक गुट ने 18 साल के अली खान को कोच से बाहर खींचकर लाठियों और लातों से पीट-पीटकर मार डाला। बैतूल स्टेशन पर 15 गुंडों ने 18 साल के अली को कोच से खींचकर पीट-पीटकर मार डाला मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में सोमवार तड़के एक बेहद सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां ट्रेन में सीट को लेकर हुए मामूली विवाद में एक 18 साल के लड़के की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान छिंदवाड़ा जिले के रहने वाले अली खान के रूप में हुई है। अली अपने दोस्तों के साथ पंचवैली एक्सप्रेस ट्रेन में छिंदवाड़ा से भोपाल जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, इस खूनी संघर्ष की शुरुआत परासिया रेलवे स्टेशन के पास हुई, जहां अली खान और एक अन्य सह-यात्री के बीच सीट को लेकर कहासुनी हो गई थी।

स्टेशन आते ही 12-15 बदमाशों ने घेर लिया

शुरुआत में लगा कि मामला शांत हो गया है, लेकिन आरोपी यात्री के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। उसने ट्रेन के बोरदेही स्टेशन पहुंचने से पहले

ही फोन करके अपने साथियों को वहां बुला लिया। जैसे ही तड़के ट्रेन बोरदेही रेलवे स्टेशन पर आकर रुकी, वहां पहले से घात लगाए बैठे 12 से 15 बदमाशों के गुट ने ट्रेन के कोच को घेर लिया। वे जबरन अंदर घुसे और अली खान को कॉलर पकड़कर कोच से बाहर खींच लाए।

प्लेटफॉर्म पर ही दम तोड़ दिया

बदमाशों ने अली को प्लेटफॉर्म पर पटक दिया और उस पर लाठियों, घूंसों और लातों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना बेरहम था कि अली खान ने बोरदेही रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी हमलावर मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही जीआरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। हमने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बैतुल के रहने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी सागर है, जो मृतक अली खान के साथ उसी ट्रेन में सफर कर रहा था और जिसने फोन करके भीड़ बुलाई थी। वह अभी फरार है। पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और मुख्य आरोपी सागर समेत बाकी बचे हमलावरों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ऑपरेशन के पैसे नहीं मिले तो डॉक्टर ने तोड़ दी टांग, मुजफ्फरनगर DM के पास पहुंची रेशमा ने सुनाया दर्द, अब फ्री में इलाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही और अवैध धन उगाही के गंभीर आरोप सामने आए हैं। एक विधवा महिला अपनी 14 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची और अस्पताल के डॉक्टरों व कर्मचारियों पर पैसे मांगने, इलाज में लापरवाही बरतने तथा ऑपरेशन के बाद बच्ची की हालत बिगाड़ने का आरोप लगाया। महिला ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

बेटी का पैर टूटने के बाद पहुंची थी जिला अस्पताल

मुजफ्फरनगर कलेक्ट्रेट पहुंची रेशमा नाम की महिला ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले उसकी बेटी के

दाहिने पैर की हड्डी टूट गई थी। उपचार के लिए वह जिला अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी। महिला का आरोप है कि अस्पताल कर्मियों ने ऑपरेशन के लिए उससे 25 हजार रुपये की मांग की। रेशमा के अनुसार वह विधवा है और आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण इतनी बड़ी रकम देने में सक्षम नहीं थी। जब उसने पैसे देने में असमर्थता जताई तो इलाज करने से मना कर दिया गया।

डीएम से शिकायत के बाद मिला इलाज

रेशमा का कहना है कि इसके बाद उसने जिलाधिकारी से शिकायत की। शिकायत पर डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को बच्ची का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। महिला का आरोप है कि डीएम के निर्देशों के बावजूद अस्पताल कर्मियों का रवैया नहीं बदला। उसने बताया कि मजबूरी में उसे उधार लेकर 8 हजार रुपये देने पड़े, जबकि बाकी रकम बाद में देने की बात कही गई। इसके बाद बच्ची का ऑपरेशन किया गया।

जांच के बहाने बुलाकर फिर तोड़ दी हड्डी

रेशमा ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के कुछ समय बाद अस्पताल से बच्ची को दोबारा जांच के लिए बुलाया गया। वहां मौजूद आर्थोपेडिक सर्जन ने उसकी बेटी के घुटने को जबरन मोड़ा, जिससे वह दर्द से चीखने लगी। महिला का दावा है कि इसी दौरान हड्डी टूटने जैसी आवाज आई और बच्ची की स्थिति पहले से ज्यादा खराब हो गई।

आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर हाउस अरेस्ट, बिजनौर से शुरू करने वाले थे सत्ता परिवर्तन यात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। विधानसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम समय बाकी है और सूबे का सियासी पारा चढ़ने लगा है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रभाव रखने वाली आजाद समाज पार्टी (एएसपी) के प्रमुख एडवोकेट चंद्रशेखर ने आज यानी 4 जून से सत्ता परिवर्तन यात्रा निकालने का ऐलान किया था. इस यात्रा की शुरुआत से पहले पुलिस ने एएसपी प्रमुख को हाउस अरेस्ट कर लिया है. नगीना से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर को बिजनौर जिले के धामपुर स्थित उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट किया गया है. पुलिस ने चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट करने के पीछे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला दिया है. पुलिस-प्रशासन के मुताबिक चंद्रशेखर की पार्टी को यह यात्रा निकालने के लिए अनुमति नहीं दी गई थी. वह बगैर अनुमति के ही यात्रा निकालने की तैयारी में थे. जानकारी के मुताबिक चंद्रशेखर की इस यात्रा का पहला चरण तीन दिन तक चलना था. यात्रा की शुरुआत से पहले

चंद्रशेखर की पार्टी धामपुर इलाके में ही सत्ता परिवर्तन रैली की तैयारियों में जुटी थी. इस रैली के लिए आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता कई दिन से तैयारी में लगे थे. सोशल मीडिया के जरिये लोगों से इस रैली में बड़ी तादाद में शामिल होने की अपील भी लगातार एएसपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की ओर से की जा रही थी. इस रैली के लिए एएसपी को अनुमति भी नहीं मिली थी और इसके बावजूद बड़ी रैली की तैयारी ने पुलिस-प्रशासन के कान खड़े कर दिए. एएसपी प्रमुख चंद्रशेखर रैली के लिए निकल पाते, उससे पहले ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उनके घर पहुंच गए. पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट कर लिया. चंद्रशेखर के आवास पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है. चंद्रशेखर के घर पर चार थानों की पुलिस फोर्स लगाई गई है. धामपुर थाने के प्रभारी और कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट के आदेश की जानकारी दी. गौरतलब है कि चंद्रशेखर ने यात्रा का ऐलान करते हुए कहा था कि यह बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के विचारों पर आधारित होगी. इस यात्रा के जरिये बहुजन समाज, पिछड़े, आदिवासी, किसान, युवा और महिलाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

समय रहते खाली कराने से टला हादसा घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब प्रकाश विहार स्थित एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई. राहत की बात यह रही कि इमारत में दरारें पड़ने के बाद उसे समय रहते खाली करा लिया गया था, जिसके चलते किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. यदि भवन को खाली नहीं कराया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था. पुलिस के अनुसार, 3 जून 2026 को शाम करीब 6:38 बजे करावल नगर थाना पुलिस को प्रकाश विहार, गली नंबर-2 में एक मकान गिरने की सूचना मिली. सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गईं. उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अहलावत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इमारत के समीप उत्तर प्रदेश के संबंधित नागरिक विभाग द्वारा नाले के निर्माण एवं मरम्मत का कार्य किया जा रहा था. इसी दौरान मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे चार मंजिला भवन में दरारें दिखाई देने लगीं. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एहतियातन भवन को तुरंत खाली करा लिया गया. कुछ घंटों बाद पूरी इमारत अचानक ढह गई. हालांकि भवन खाली होने के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है. इमारत गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए. घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि नाले के निर्माण कार्य और भवन के गिरने के बीच कोई संबंध है या नहीं. संबंधित एजेंसियां मलबे का निरीक्षण कर रही हैं और एहतियातन आसपास की इमारतों की भी जांच की जा रही है. डीसीपी राहुल अहलावत ने बताया कि दमकल विभाग, डीडीएमए और अन्य संबंधित एजेंसियों द्वारा आवश्यक सुरक्षा एवं बचाव संबंधी कदम उठाए जा रहे हैं. मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

मालवीय नगर अग्निकांड में एक परिवार के आठ लोगों की मौत, अस्पताल में भर्ती पिता की देखभाल के लिए दिल्ली आए थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: गुड़गांव के रहने वाले विवेक अग्रवाल अपने 75 वर्षीय बीमार पिता राधे श्याम अग्रवाल की देखभाल के लिए उनके साथ रहना चाहते थे। पिता साकेत के मैक्स अस्पताल में वेंटिलेटर पर थे। विवेक अपने पूरे परिवार और रिश्तेदारों के साथ मालवीय नगर के इस होटल में ठहरे थे, लेकिन बुधवार तड़के लगी भीषण आग ने इस परिवार की दुनिया ही उजाड़ दी। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों समेत कुल 8 लोगों की दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई। मरने वालों में विवेक अग्रवाल, उनकी पत्नी तर्जनी अग्रवाल, मां प्रेमलता, बड़ी बेटी जिविसा उर्फ एंजेल और छोटी बेटी वार्या उर्फ पल शामिल हैं। इसके अलावा विवेक के मौसा झुमरी लाल, मौसी कमला और मामा अशोक गोयल भी इस अग्निकांड का शिकार हो गए।

सभी की दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई

दादू से मिलने बेंगलुरु से आई थीः विवेक के ससुर प्रेम बंसल ने भारी मन से बताया कि विवेक गुड़गांव में एक मल्टीनेशनल कंपनी में डायरेक्टर थे। उनके पिता राधे श्याम अग्रवाल फेफड़ों (लंग्स) की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। जब डॉक्टरों ने कह दिया कि उन्हें अब बचाया नहीं जा सकता, तो पूरा परिवार दिल्ली आ गया। मंगलवार रात को विवेक अपनी पत्नी, मां, छोटी बेटी और रिश्तेदारों के साथ होटल के ग्राउंड फ्लोर पर रुके थे। विवेक के मौसा-मौसी अजमेर (राजस्थान) और माम किशनगढ़ (राजस्थान) से आए थे। वहीं, बेंगलुरु में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही विवेक की बड़ी बेटी जिविसा (एंजेल) भी अपने दादू को आखिरी बार देखने और उनसे मिलने के लिए बुधवार सुबह करीब 4 बजे ही होटल पहुंची थीं। बड़ी बेटी के होटल पहुँचने के कुछ ही देर बाद, सुबह तड़के अचानक होटल में भीषण आग लग गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता या बाहर निकल पाता, आग और जहरीले धुएं ने सबको अपनी चपेट में ले लिया। देर होने के कारण रात में होटल में रुक गए, सुबह नाश्ते के लिए पहुंचे, तभी लग गई आग दिल्ली के मालवीय नगर में बुधवार को एक होटल में लगी आग में गुड़गांव के सीए के परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा राजस्थान से आए उनके तीन रिश्तेदारों की भी जान चली गई। हादसे के बाद सभी के मन में सवाल था कि आखिर गुड़गांव का परिवार दिल्ली के होटल में क्यों गया था? जब इसका जवाब मिला तो ऐसा लगा कि मौत सभी को खींचकर हादसे वाली जगह पर ले गई थी।` आग के चपेट में आने से तर्जनी बुरी तरह से झुलस गई थी।

गर्लफ्रेंड ने iPhone की डिमांड कर दी थी... बॉयफ्रेंड ने गोदाम में सेंध लगाकर 11 लाख का सामान उड़ा दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। एक ऐसी चोरी की कहानी सामने आई है, जिसमें न तो कोई हाई-टेक गैंग था, न कोई फिल्मी स्टाइल प्लान... लेकिन वजह ऐसी कि सुनकर पुलिस भी कुछ पल के लिए चौंक गई. मामला कलमना इलाके का है, जहां एक गोदाम से करीब 11.39 लाख रुपये का सामान चोरी हो गया. और इस पूरी वारदात के पीछे जो वजह सामने आई, वो आज के डिजिटल दौर की एक अलग ही तस्वीर दिखाती है- iPhone का क्रेज और गर्लफ्रेंड को इंप्रेस करने की ख्वाहिश. कहानी 27 और 28 मई की दरमियानी रात शुरू हुई. नागपुर के कलमना इलाके में एक बड़ा गोदाम है, जहां टाइल्स, सैनिटरी और सीपी फिटिंग का सामान रखा रहता है. रात का वक्त था, सन्नाटा था, और इसी सन्नाटे में चोरों ने गोदाम को निशाना बनाया. दूसरी मंजिल पर लगी टीन की चादर को तोड़ा गया और अंदर घुसकर नल, घरेलू इस्तेमाल के अलग-अलग सीरीज के नल और अन्य कीमती सामान समेट लिया गया. सुबह जब गोदाम मालिक राहुल जयचंद ब्रह्मा पहुंचे, तो पूरा मंजर देखकर उनके होश उड़ गए. तुरंत कलमना पुलिस को सूचना दी गई. मामला दर्ज हुआ और फिर जांच शुरू हुई. पुलिस ने इसे किसी साधारण चोरी की तरह नहीं लिया. टीम ने आसपास के इलाकों में लगे 25 से ज्यादा CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की. कई घंटे की मेहनत के बाद कुछ संदिग्ध मूवमेंट्स पुलिस के हाथ लगे. धीरे-धीरे सुराग जुड़े और पुलिस तीन आरोपियों तक पहुंच गई. जब आरोपियों को पकड़ा गया, तो सामने आए- इरफान अली उर्फ इम्मू रमजान अली और दो नाबालिग. शुरुआती पूछताछ में तो सब सामान्य लगा, लेकिन जैसे-जैसे सवाल बढ़े, कहानी का असली ट्विस्ट सामने आने लगा. पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि एक नाबालिग की गर्लफ्रेंड ने उससे iPhone की डिमांड कर दी थी.

सोलापुर के मदरसे में तालीम के नाम पर बच्ची का करता था यौन शोषण, उत्तर प्रदेश का मौलाना महाराष्ट्र में अरेस्ट

उसे मौलाना साहब बुलाते थे। लेकिन उसकी घिनौनी करतूत ने हर किसी को हैरान कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोलापुर : महाराष्ट्र के सोलापुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक मौलाना ने धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने के लिए मदरसा आने वाली 11 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की। इतना ही नहीं, बच्ची ने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में अपने परिजनों को बताया। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज की। पुलिस कमिश्नर एम राजकुमार के मुताबिक, आरोपी मौलाना के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस दौरान आरोपी से मामले के बारे में पूछताछ की जाएगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बच्ची के परिजनों ने पुलिस से आरोपी मौलाना के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने पुलिस से कहा कि आरोपी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए। इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। वहीं इस घटना के बाद लोगों में गुस्सा है। कुछ लोगों ने मौलाना के खिलाफ इलाके में प्रदर्शन भी किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम मौलाना उमर रिजवी (53) है। वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। वह पिछले कुछ सालों से महाराष्ट्र के सोलापुर में रह रहा था। वह यहां एक स्थानीय मदरसे में मुस्लिम समुदाय की बच्चियों को धार्मिक शिक्षा देता था। सब बच्चों भेजकर बच्ची को रोक लेता था 11 साल की इस बच्ची को भी उसके माता-पिता ने यहां इस्लाम की तालीम लेने के लिए भर्ती कराया था। आरोपी मौलाना सभी बच्चों को घर भेज देता था, सिर्फ उसी बच्ची को रोके रखता था। उसके बाद वह बच्ची के साथ गंदी करतूत करता था। इसके बाद बच्ची ने इस घटना के बारे में अपने माता-पिता को बताया। वहीं, पुलिस का कहना है कि हम इस मामले में आरोपी से विभिन्न बिंदुओं को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। हम यह कोशिश कर रहे हैं कि इससे जुड़ा कोई अन्य तथ्य अगर है

बेरोजगार बच्चों को भड़काने का हुनर इन्हीं के पास, कोचिंग सेंटर पर फायरिंग के बाद बोले संजय निरुपम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बिहार की राजधानी पटना के मुसल्लहाट इलाके के महशूर शिक्षक और यूट्यूबर खान सर के कोचिंग संस्थान के बाहर फायरिंग की घटना के बाद जहां एक तरफ पुलिस की जांच जारी है तो वहीं दूसरी तरफ शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने इस मामले में नसीहत देते हुए तंज कसा है। उन्होंने प्रशासन से कहा है कि इस पूरे मामले को सही से हैंडल करे। निरुपम ने एक्स पर लिखा है कि आखिर खान सर लपेटे में आ गए। कल रात पटना में किसी ने उनके सेंटर पर फायरिंग की। तोड़फोड़ भी की। सुबह-सुबह सेंटर पर उनके छात्रों का हुजूम उमड़ पड़ा। देश भर में खान सर जैसे सैकड़ों कोचिंग शिक्षक तदर्थ से बहुत अच्छा कनेक्ट कर गए हैं।

संजय निरुपम ने दी नसीहत

संजय निरुपम ने कहाकि प्रशासन इनके साथ 'हैंडल विथ केयर' वाली शैली में पेश आए। आज बेरोजगार बच्चों को भड़काने का हुनर सिर्फ इन्हीं के पास है। फायरिंग की घटना में खान सर ने आरोप लगाया कि यह हमला पड़ोसी कोचिंग संचालकों की साजिश का नतीजा है। उनका कहना है कि वे बहुत कम फीस में छात्रों को पढ़ाते हैं, जिससे अन्य कोचिंग संचालक उनसे ईर्ष्या करते हैं और उन्हें धमकियां दे रहे थे। खान सर की शिकायत के बाद इस मामले में पुलिस ने जांच करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रोशन आनंद समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पटना के रहने वाले खान सर का असली नाम फैसल खान है। वह भारत के एक बेहद लोकप्रिय और प्रभावशाली शिक्षक और यूट्यूबर हैं। वह बिहार के पटना में 'खान जीएस रिसर्च सेंटर' और 'खान ग्लोबल स्टडीज' (चतस) नाम से कोचिंग संस्थान चलाते हैं। खान सर कठिन और जटिल विषयों (जैसे सामान्य अध्ययन, करंट अफेयर्स और जियोपॉलिटिक्स) को बहुत ही सरल, ठेठ बिहारी और मजाकिया अंदाज में समझाने के लिए जाने जाते हैं। उनके यूट्यूब चैनल पर करोड़ों सब्सक्राइबर्स हैं। खान सर अपने वीडियो को लेकर पहले सुर्खियों में रह चुके हैं।

नासिक पासिंग आउट परेड ग्राउंड में गर्लफ्रेंड को किया प्रपोज, वायरल आर्मी ऑफिसर पर एक्शन लेगी सेना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। दो दिन पहले अपॉइंट हुए एक आर्मी ऑफिसर का वीडियो वायरल हुआ। जिसने महाराष्ट्र के नासिक में ग्रेजुएशन सेरेमनी के बाद अपने हेलीकॉप्टर के पास अपनी मंगेतर के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं, हालांकि अब उसे अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय सेना अपने सख्त अनुशासन के लिए जानी जाती है, ऐसे में एक ऑफिसर की इस तरह की हरकत की आलोचना भी शुरू हो गई है। कैप्टन भरत भारद्वाज ने हाल ही में आर्मी एविएशन पायलट के तौर पर अपनी ट्रेनिंग पूरी की है। सेना के सूत्रों ने कहा कि भरत भारद्वाज को संभवतः एक 'शो-कॉज़ नोटिस' जारी किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि यह घटना सैन्य प्रोटोकॉल और मर्यादा का संभावित उल्लंघन हो सकती है। पासिंग आउट परेड ग्राउंड में ही हुआ प्रपोजल यह प्रस्ताव नासिक स्थित कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में पासिंग आउट परेड और दीक्षांत समारोह के ठीक बाद हुआ। ट्रेनी पायलट अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने का जश्न मना रहे थे। आर्मी पायलट ने पासिंग-आउट परेड के बाद अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज़ किया। कहा कि मैं इस दिन को अपनी मंगेतर के लिए भी यादगार बनाना चाहता था। सेना की वर्दी में ही अफसर ने किया प्रपोज यह सब हुआ नासिक में कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में पासिंग-आउट परेड ग्राउंड में ही। भरत ने परिवार, साथी अधिकारियों और मेहमानों के सामने अपनी गर्लफ्रेंड, आरुषि को प्रपोज़ किया। यह पल बिल्कुल किसी फिल्म के सीन जैसा था। अपनी सेरेमोनियल यूनिफ़ॉर्म पहने, भरत टरमैक पर चले, एक घुटने पर बैठे और एक अंगूठी आगे बढ़ाई। पास ही एक आर्मी हेलीकॉप्टर खड़ा था, जिससे बैकग्राउंड और भी ज़्यादा नाटकीय लग रहा था। साफ़ तौर पर हैरान आरुषि ने 'हाँ' कह दिया, और उनके आस-पास मौजूद भीड़ तुरंत तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठी। इस प्रपोज़ल का वीडियो बनाया गया और यह तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया।

'BJP शिवसेना को कमजोर कर रही...' अब्दुल सत्तार का आरोप, एकनाथ शिंदे को CM बनाने की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। विधान परिषद चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर महायुति गठबंधन में विवाद गहरा गया है. शिवसेना के पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार ने बीजेपी पर अपनी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है. उन्होंने एकनाथ शिंदे को ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है. महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर महायुति गठबंधन में दरारें उभरने लगी हैं. शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के विधायक और पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार ने अपनी ही सहयोगी पार्टी बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने बीजेपी पर उनकी पार्टी को खत्म करने का आरोप लगाया है. अब्दुल सत्तार ने मंगलवार को एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी. इस दौरान उन्होंने उनके सामने अपनी चिंताएं रखी थीं. सत्तार ने छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में शिवसेना को नंबर दो की पार्टी बनाने के बीजेपी की कोशिशों पर नाराजगी जताई. अब्दुल सत्तार ने ये मांग भी की है कि एकनाथ शिंदे को ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए. सत्तार ने कहा कि बीजेपी उन सीटों पर अपना दावा ठोक रही है, जो ऐतिहासिक रूप से शिवसेना के पास रही हैं. उन्होंने कहा, 'राज्य में इस वक्त कोई मजबूत विपक्ष नहीं है. यही वजह है कि महायुति के सहयोगी दल आपस में ही लड़ रहे हैं. राज्य में जो हश्र उद्धव ठाकरे और कांग्रेस का हुआ, वो हमारे साथ भी हो सकता है. 'बिहार में बदल सकता है सीएम, तो महाराष्ट्र में क्यों नहीं?' अब्दुल सत्तार ने इस दौरान दावा किया कि एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री न बनाकर उनके साथ अन्याय हुआ है. सत्तार ने कहा, हमारी मांग है कि एकनाथ शिंदे को 2.5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए. साल 2024 का विधानसभा चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा गया था. उन्होंने आगे कहा, 'अगर चुनाव हारने पर किसी एक नेता को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, तो जीत का श्रेय भी उसी नेता को मिलना चाहिए. अगर बिहार में मुख्यमंत्री बनाया और फिर बदला जा सकता है, तो महाराष्ट्र में ऐसा क्यों नहीं हो सकता?' बेटे समीर का नामांकन लेंगे वापस बता दें कि शिवसेना महायुति गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है. इस बीच अब्दुल सत्तार ने घोषणा की है कि उनके बेटे समीर अपना नामांकन वापस ले लेंगे. उन्होंने ये भी बताया कि मुख्यमंत्री शिंदे जिले में पार्टी की असल स्थिति का आकलन करने के लिए एक विशेष समिति का गठन करेंगे शिवसेना के दोनों विरोधी गुटों (शिंदे और उद्धव ठाकरे) के फिर से एक होने के सवाल पर सत्तार ने अपनी राय रखी. उन्होंने कहा कि दोनों गुटों के पुनर्मिलन को लेकर अंतिम फैसला हमारी पार्टी के नेता एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे को ही मिलकर लेना चाहिए.

होटल चलाने के लिए पुलिस लाइसेंस जरूरी नहीं? मालवीय नगर अग्निकांड के बाद उठ रहे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मालवीय नगर इलाके में हुए अग्निकांड के बाद होटलों-रेस्टोरेंटो से जुड़े नियमों पर चर्चा तेज हो गई है. इसी के साथ ऐसे बिजनेस चलाने के लिए लेने वाली एनओसी भी सुर्खियों में है. 19 जून 2025 को दिल्ली के उपराज्यपाल ने एक बड़ा फैसला लिया था. इस फैसले के तहत होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, स्विमिंग पूल, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, अम्यूजमेंट पार्क और ऑडिटोरियम जैसे 7 कारोबारों के लिए दिल्ली पुलिस से लाइसेंस या एनओसी लेने की व्यवस्था खत्म कर दी गई थी. 19 जून 2025 तक होटलों के लिए दिल्ली पुलिस का लाइसेंस जरूरी हुआ करता था, लेकिन बाद में यह व्यवस्था खत्म कर दी गई. हालांकि, फायर एनओसी और अन्य सुरक्षा मंजूरियां तब भी अनिवार्य थीं और आज भी हैं. इस मामले में यह समझना जरूरी है कि दिल्ली पुलिस का होटल लाइसेंस जरूरी नहीं है लेकिन फायर NOC और सुरक्षा मंजूरियां अनिवार्य हैं. हौजरानी अग्निकांड में जांच का फोकस इन्हीं सुरक्षा खामियों पर है. आदेश में कहा गया था कि इन कारोबारों को पहले से ही नगर निगम और अन्य स्थानीय निकाय नियंत्रित करते हैं. ऐसे में पुलिस की अलग लाइसेंस व्यवस्था कारोबारियों के लिए अतिरिक्त बोझ बन रही थी. फैसले के पीछे यह तर्क दिया गया था कि दिल्ली पुलिस को लाइसेंस जारी करने के काम से मुक्त कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने जैसे अपने मुख्य कार्यों पर ज्यादा ध्यान देने का मौका मिलेगा. दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की पुरानी टिप्पणियों का भी हवाला दिया गया था, जिनमें कहा गया था कि पुलिस का मुख्य काम कानून-व्यवस्था संभालना है, न कि व्यापारिक लाइसेंस जारी करना. इस फैसले के बाद इन सात श्रेणियों के कारोबारों के लिए दिल्ली पुलिस के लाइसेंस संबंधी नियमों को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी. अग्निकांड मामले में होटल की फॉरेंसिक जांच के लिए FSL के एक्सपर्ट की टीम आज यानी गुरुवार को एक बार फिर आएगी. बुधवार को FSL की टीम केवल एक ही फ्लोर पर जांच कर पाई थी. अग्निकांड में मरने वाले लोगों में वो लोग शामिल थे, जो होटल के तीसरे फ्लोर और बेसमेंट में मौजूद थे. कई कमरों में जांच के दौरान दमकल विभाग को इलेक्ट्रॉनिक चूल्हे और दूसरे उपकरण मिले थे. दरअसल, जो लोग लंबे वक्त से होटल में रुके हुए थे, वो खाना बनाने के लिए इन उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे थे.

दिल्ली में सब चलता है, मालवीय नगर होटल अग्निकांड के मुख्य आरोपी लवकेश बजाज का बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मालवीय नगर: साउथ दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल अग्निकांड के मुख्य आरोपी लवकेश बजाज को आज दोपहर करीब 2 बजे उसे साकेत कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस सूत्र का कहना है कि टीम आरोपी की 3 से 5 दिन की रिमांड की मांग करेगी। उससे पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य आरोपियों के बारे में पता लगाया जाएगा। वहीं पुलिस सूत्र ने बताया कि पूछताछ में बजाज ने कई हैरान कर देने वाले खुलासे किए हैं। 'दिल्ली में सब चलता' कहकर उसने होटल में तमाम बदलाव कर दिए थे। बिना फायर एनओसी के धड़ल्ले से होटल चला रहा था। जाहिर है कि संबंधित विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से इस तरह होटल का संचालन कर पाना संभव नहीं था। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि उन कर्मचारियों या अधिकारियों को भी इस मामले में आरोपी बनाया जाता है या नहीं।

होटल में और भी पार्टनर?

अब तक की जांच में यह भी सामने आया है कि बिल्डिंग का मालिक लवकेश बजाज है। लेकिन पर्यटन विभाग का लाइसेंस जय मिश्रा के नाम पर जारी किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह होटल तीन पार्टनर मिलकर चला रहे थे। इनके दिल्ली भर में कई अन्य होटल और गेस्ट हाउस भी हैं। पुलिस अब उनकी भी तलाश में जुटी है। बजाज ने खुलासा किया कि उसने तीन साल पहले यह बिल्डिंग खरीदी थी और उसमें होटल कम गेस्ट हाउस चला रहा था।

दिल्ली: मालवीय नगर अग्निकांड में LPG सिलेंडर में नहीं हुआ था ब्लास्ट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मालवीय नगर होटल अग्निकांड में दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है. फॉरेंसिक जांच के मुताबिक, होटल की इंटरनल वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने के चलते ये भयानक आग फैली थी, जबकि दोनों किचन में रखे एलपीजी सिलेंडर पूरी तरह सुरक्षित मिले हैं. दिल्ली के मालवीय नगर भीषण अग्निकांड को लेकर शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक होटल में आग किसी LPG सिलेंडर के ब्लास्ट से नहीं लगी थी, बल्कि आग का कारण शॉर्ट सर्किट था. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिल्डिंग की आंतरिक वायरिंग में खराबी के चलते आग तेजी से फैली. दूसरी ओर दिल्ली की इस गंभीर घटना से सबक लेते हुए एनडीएमसी ने फायर सेफ्टी नियमों के अनुपालन को लेकर एक समीक्षा बैठक बुलाई है, जिसके तहत खान मार्केट और सेंट्रल दिल्ली के तमाम होटलों व रेस्तरां की सुरक्षा का कड़ा निरीक्षण किया जाएगा. दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस हादसे के बाद यूपी की तमाम बहुमंजिला और व्यावसायिक इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने के सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं. दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, मालवीय नगर अग्निकांड की फॉरेंसिक जांच में सामने आया है कि होटल के बेसमेंट और टॉप फ्लोर पर दो अलग-अलग किचन थे, जहां कई एलपीजी सिलेंडर रखे हुए थे, लेकिन शुरुआती जांच के अनुसार किसी भी एलपीजी सिलेंडर में कोई विस्फोट नहीं हुआ था. पुलिस अधिकारी के अनुसार होटल की इंटरनल वायरिंग (आंतरिक वायरिंग) में शॉर्ट सर्किट हुआ था, जिसकी वजह से पूरी बिल्डिंग में आग फैल गई और धुएं की चपेट में आ गइ

दिल्ली अग्निकांड के बाद यूपी में इमारतों, होटलों के सुरक्षा ऑडिट का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में एक रेस्तरां में लगी भीषण आग, जिसमें 21 लोगों की दुखद मौत हो गई, ने उत्तर प्रदेश सरकार को हरकत में ला दिया है। इस त्रासदी का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य भर के सभी होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए गुरुवार को विशेष सुरक्षा जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अग्निशमन विभागों सहित कई अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत सक्रिय होने का निर्देश दिया। उनके आदेशानुसार, सभी ऊंची इमारतों, कार्यालयों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें पर्याप्त और कार्यशील अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित हों। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री ने सभी होटलों की गहन सुरक्षा जांच करने और उसकी विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों की पुष्टि करते हुए, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने बताया कि विशेष टीमें पहले से ही स्थानीय होटलों का सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने कहा, सभी होटलों और विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाए जा रहे हैंज यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस बीच, उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दिल्ली में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि जिला मजिस्ट्रेटों और स्थानीय अधिकारियों को सुरक्षा अनुपालन को और अधिक सख्ती से लागू करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। खन्ना ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

मां वैष्णो देवी दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू

जम्मू (एजेंसी)। कटरा में मां वैष्णो देवी के दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू कर दी गई है। इसके चलते अब श्रद्धालुओं को माता रानी के दर्शन करने में आसानी होगी। जानकारी के मुताबिक उक्त रैपिडो सेवा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाणगंगा रूट पर उपलब्ध है। अगर रेट की बात करें तो श्रद्धालुओं को बहुत ही कम पैसे में यह सेवा मिल रही है। इस रैपिडो सेवा में बाइक, ऑटो और कार के जरिए श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन तक यात्रा कर सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाइक राइड 35 रुपए, ऑटो राइड 91 रुपए, कार राइड 156 रुपए और प्रीमियम कार राइड 176 रुपए के आसपास होगी।

कर्नाटक में छात्रों को फ्री बस सुविधा, नए मुख्यमंत्री का पहला फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पद की शपथ लेते ही छात्रों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने छात्रों को मुफ्त बस पास देने की घोषणा की। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत जोड़ो युवा संघ' के गठन का भी ऐलान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देगी। उनके इस पहले फैसले को छात्रों और युवा वर्ग के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

स्पष्टीकरण एवं खेद-प्रकाशन

प्रिय पाठकों, दिनांक 04/06/2026 के अंक में 'कलोल पुलिस ने डेढ़ साल से फरार मवेशी चोर के आरोपी को अलिन्द्रा चौकड़ी से गिरफ्तार किया' शीर्षक से प्रकाशित समाचार में तथ्यात्मक त्रुटि रह गई थी। समाचार में प्रकाशित कुछ जानकारियां सत्यापित तथ्यों के अनुरूप नहीं थीं, जिसके कारण संबंधित पक्षों को असुविधा एवं भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारा उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था अथवा विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाना नहीं है। यह त्रुटि अनजाने में हुई, जिसके लिए हम खेद व्यक्त करते हैं। महानगर मेट्रो सदैव निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में ऐसी त्रुटियों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी। इस त्रुटि के लिए हम संबंधित पक्षों एवं अपने पाठकों से विनम्रतापूर्वक क्षमा प्रार्थी हैं।

- संपादक (महानगर मेट्रो)

हैदराबाद के हेलमेट बाजार में भीषण आग, दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले अमीरपेट इलाके में स्थित हेलमेट बाजार में गुरुवार को भीषण आग लग गई, इस आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें खाक कर दिया। गनीमत रही कि इस बड़े अग्निकांड में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने व बचाव कार्यों में जुट गईं। रिपोर्ट के अनुसार, दमकल कर्मी आग की लपटों पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने पर सघन अभियान चला रहे हैं। चूंकि यह एक बेहद घना कारोबारी क्षेत्र है, इसलिए उनकी सबसे पहली प्राथमिकता आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और दुकानों तक फैलने से रोकना है। आग के कारण कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं, जिससे लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में बाजार परिसर से धुएं का घना गुबार आसमान की तरफ उठता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं दमकल कर्मी लगातार इस भयानक आग से जूझते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन और बचाव कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए अधिकारियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यातायात (ट्रैफिक) को भी घटनास्थल के आसपास नियंत्रित किया गया है, ताकि दमकल और बचाव टीमों को बिना किसी बाधा के काम करने का अवसर मिल सके।

गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी

सीजेआई बोले- आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं इस सोच को बदलना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक लेख में लिखा- भारत के विकास की चर्चा महानगरों, उद्योगों, तकनीक और आधुनिक संरचना के संदर्भ में की जाती है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और तीव्र आर्थिक गतिविधियां प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं, किंतु इस विकास यात्रा के बीच अहम सवाल हमारे सामने खड़ा है- क्या हम अनजाने में गांवों की मूल आत्मा खो रहे हैं? क्या विकास का अर्थ यह होना चाहिए कि गांव धीरे-धीरे शहर का रूप ले लें? अथवा हमें ऐसा भारत निर्मित करना चाहिए, जहां गांव अपनी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक आत्मीयता और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से भी सम्पन्न हों? यह पूरे भारत के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, लेकिन हरियाणा के गांवों का उल्लेख इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वहां आज भी सामुदायिक जीवन, श्रम संस्कृति आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता की परंपरा जीवंत है।

उन्होंने कहा कि यही स्थिति देश के अनेक राज्यों के गांवों में भी दिखाई देती है। भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। यदि गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी। असली चुनौती यह है कि विकास पहुंचाते समय गांवों को 'शहर' बनने से कैसे बचाया जाए। गांवों में सड़कें हों, आधुनिक विद्यालय, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल सुविधाएं, रोजगार के अवसर हों, यह जरूरी है लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि गांवों की सामाजिक संरचना, सामूहिकता, पर्यावरणीय संतुलन व मानवीय निकटता सुरक्षित रहे।

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण केवल आर्थिक नहीं है। कई बार यह स्वाभाविक धारणा भी होती है कि सम्मानजनक जीवन, अवसर और आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं। यदि हमें गांवों को सशक्त बनाना है और इस सोच को बदलना है, तो हमें इस पलायन को हतोत्साहित करना होगा। जब युवाओं को यह अनुभव होगा कि वे अपने गांव में रहकर भी सम्मान, अवसर और प्रगति हासिल कर सकते हैं, तभी पलायन की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से कम होगी।

सीजेआई ने कहा कि ग्रामीण जीवन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। गांवों की सबसे बड़ी शक्ति उनका सामाजिक ताना-बाना है। शहरों में व्यक्ति अक्सर भीड़ के बीच भी अकेला हो जाता है, जबकि गांवों में समुदाय अभी भी जीवन का केंद्र बना हुआ है। परिवार, पड़ोस, सामूहिक सहयोग, पारस्परिक उत्तरदायित्व...ये वे मूल्य हैं, जो भारतीय समाज को स्थिरता प्रदान करते हैं। यदि गांवों का भी अत्यधिक नगरीकरण हो गया तो केवल भौतिक संरचना ही नहीं बदलेगी, हमारे सामाजिक संबंधों की प्रकृति भी बदल जाएगी।

भारत के गांव केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, वे भविष्य की संभावना भी हैं। आज विश्वभर में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण व सामुदायिक जीवन के महत्व पर फिर बल दिया जा रहा है। भारतीय गांव इन मूल्यों के स्वाभाविक केंद्र रहे हैं। हम संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं तो गांव आधुनिक सुविधाओं व पारंपरिक सामाजिक शक्ति का उत्कृष्ट संगम बन सकते हैं। भारत की प्रगति का सही मापदंड सिर्फ यह नहीं होगा कि शहर कितने विकसित हुए, बल्कि यह होगा कि गांव कितने आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सम्मानपूर्ण बने। यदि गांवों का युवा अपने भविष्य को गांव से जोड़कर देखे, किसान अपने श्रम पर गर्व अनुभव करे, महिलाओं को समान अवसर व सुरक्षा मिले और हर ग्रामीण परिवार को यह महसूस हो कि संविधान की शक्ति जीवन को स्पर्श कर रही है, तभी विकास वास्तव में समावेशी व सार्थक कहलाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई

पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा पर सांसद चतुर्वेदी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई की टिप्पणी के बाद बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले अपने जनाधार का विस्तार करने के उद्देश्य से पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा की। अब इस पर घमासान छिड़ गया है। दरअसल पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रवक्ताओं में महिला की नियुक्ति न होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत दीपके द्वारा बनाई सीजेपी ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खोजी पत्रकार सौरव दास पार्टी के मुख्य प्रवक्ता होंगे, जबकि राजनीतिक शोधकर्ता एवं फिल्म निर्माता विजेता दहिया और पूर्व प्रबंधन सलाहकार आशुतोष रांका जनता और मीडिया के सामने संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी ने कहा कि सीजेपी भारत के राजनीतिक विमर्श की दिशा बदलने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बदलाव का नेतृत्व नई पीढ़ी के नेता करेंगे। इन नियुक्तियों की घोषणा अभिजीत दीपके के 6 जून को भारत लौटने के तय कार्यक्रम से कुछ दिन पहले की गई है। पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों प्रवक्ताओं की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत संस्थापक, सह-संस्थापक और प्रवक्ता के रूप में 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। उन्होंने कहा कि ठीक है अब और जानने के लिए उत्सुक हूं। प्रियंका चतुर्वेदी की इस पोस्ट के कुछ देर बात ही अभिजीत दीपके ने महिला प्रवक्ता की नियुक्ति न होने को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी महिला टीम सदस्यों को यह भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कई महिलाओं ने कहा कि वे लगातार हो रहे ऑनलाइन हमलों और धमकियों के कारण आगे आकर सक्रिय रूप से शामिल हुए बिना ही अपनी भागीदारी निभाएंगी। हम उनके इस फैसला का सम्मान करते हैं। दीपके ने कहा कि इसके साथ ही हम उन युवा महिलाओं को आमंत्रित करना चाहते हैं जो इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहती हैं और प्रवक्ता के रूप में आगे आने को तैयार हैं, वे हमसे जुड़ें।

दिल्ली के बाद अब फिरोजपुर के रेस्टोरेंट में लगी आग, एक की मौत

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर कैंट में गुरुवार को मशहूर रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक नैवेद्यम स्वीट्स एंड बेकर्स फिरोजपुर, पंजाब में स्थित एक बेहद लोकप्रिय और जानी-मानी बेकरी व रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट में लगी भयानक आग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूर-दूर तक धुआं दिखाई देने लगा। मौके पर तुरन्त फायर ब्रिगेड पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक रेस्टोरेंट में लगी आग में तुलसी नाम के एक कर्मचारी की जलने से मौत हो गई है। जब आग लगी तो किसी को नहीं पता था कि यह कर्मचारी रेस्टोरेंट के अंदर है। जब फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझा रहे थे तो उन्होंने इस जले हुए व्यक्ति को देखा, जिसे बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। तो उसकी मौत हो चुकी थी। डीएसपी सिटी फिरोजपुर ने कहा कि आग में जलकर मरे इस युवक की मौत के मामले में पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के अंदरूनी हिस्से में लगी जहां फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य सामग्री पड़ी थी जिससे नुकसान हुआ। ऊपर मंजिल पर आग लगी, जहां पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। इसलिए आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बड़ी चिंता रेस्टोरेंट में रखा गैस सिलेंडरों को लेकर थी, अगर आग फैलती तो वहां बड़ा धमाका हो सकता था। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बहुत ही सावधानी से गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला।

श्रीलंका में जयपुर के डॉक्टर का कमालः डॉ. अजीत बाना के नेतृत्व में पहली बार हुआ स्यूचरलेस एओर्टिक वाल्व का सफल प्रत्यारोपण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। हृदय रोग उपचार के क्षेत्र में राजस्थान के चिकित्सकों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जयपुर के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट और ईएचसीसी नेटवर्क के प्रेसिडेंट डॉ. अजीत बाना के नेतृत्व में श्रीलंका में पहली बार 'स्यूचरलेस एओर्टिक वाल्व' का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया है। यह जटिल और अत्याधुनिक सर्जरी कोलंबो स्थित 'नेशनल हॉस्पिटल ऑफ श्रीलंका' में की गई, जिसने पड़ोसी देश की स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

मरीजों को मिलेगी नई संजीवनी

इस सफल प्रत्यारोपण के बाद श्रीलंका के गंभीर हृदय रोगियों को अब अपने ही देश में विश्वस्तरीय और अत्याधुनिक उपचार मिल सकेगा। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, स्यूचरलेस एओर्टिक वाल्व तकनीक पारंपरिक ओपन-हार्ट वाल्व सर्जरी की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और उन्नत है। इसमें सर्जरी का समय कम लगता है, जिससे मरीजों की रिकवरी तेजी से होती है और ऑपरेशन के बाद होने वाली जटिलताओं का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। विशेष रूप से उन मरीजों के लिए यह तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है, जिन्हें उच्च जोखिम वाली हृदय सर्जरी की आवश्यकता होती है।

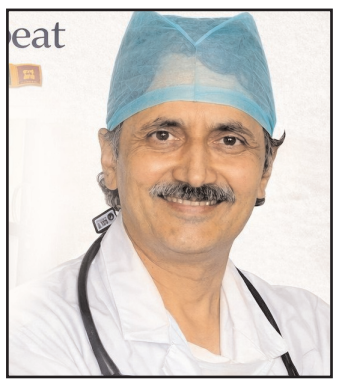

टीमवर्क और वैश्विक सहयोग की जीतः डॉ. बाना

इस ऐतिहासिक सफलता पर ईएचसीसी नेटवर्क के कार्डियक साइंसेज के चेयरमैन डॉ. अजीत बाना ने कहा, 'चिकित्सा विज्ञान में नवाचार का उद्देश्य केवल नई तकनीक को अपनाना नहीं है, बल्कि मरीजों को अधिक सुरक्षित और बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। कोलंबो में मिली यह सफलता हमारे बेहतरीन टीमवर्क, अटूट समर्पण और वैश्विक सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।'

मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की रही अहम भूमिका

इस जटिल प्रत्यारोपण को सफल बनाने में डॉ. बाना के साथ स्थानीय चिकित्सकों, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी टीम सहित एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की अहम भूमिका रही। इटर्नल हॉस्पिटल (ईएचसीसी) प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि संस्थान कार्डियक साइंसेज के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों और वैश्विक विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है, ताकि मरीजों को सर्वोत्तम उपचार और बेहतर जीवन गुणवत्ता मिल सके। अस्पताल का मूल मंत्र ही यही है- 'क्योंकि हर धड़कन मायने रखती है।'

अब अपने जन्म दिन पर नई पार्टी का ऐलान करेंगे अन्नामलाई?

भाजपा से इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में सियासी भूचाल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी से के अन्नामलाई ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे राज्य के सियासी गलियारों में भारी हलचल मच गई है। आज उनके 42वें जन्मदिन के अवसर पर यह कयास बेहद तेज हो गए हैं कि वह किसी नई पार्टी या एक स्वतंत्र आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अन्नामलाई भाजपा से अलग होकर तमिलनाडु में अपनी खुद की स्वतंत्र जमीन तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, बीते 2 जून को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई उनकी मुलाकात के बाद शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने की सलाह दी थी, लेकिन इससे पहले वह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन को अपना इस्तीफा सौंप चुके थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से असमंजस में दिखाई दे रहा था, जब भाजपा आलाकमान ने उन्हें पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही पार्टी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया, जिसके बाद से अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे थे।

साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़ राजनीति में आने वाले अन्नामलाई का ग्राफ बेहद तेजी से बढ़ा था और वह महज 10 महीने के भीतर राज्य के सबसे युवा भाजपा अध्यक्ष बन गए थे। उनके आक्रामक नेतृत्व में पार्टी ने दो दशकों बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतकर राज्य में वापसी की थी। इतना ही नहीं, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 3.66 प्रतिशत से बढ़कर सीधे 11.24 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके विपरीत, नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा और वह महज एक सीट पर सिमट गई।

भाजपा की धड़कने बढ़ी

अन्नामलाई के इस्तीफे की खबरों के बीच कोयंबटूर और मदुरै जैसे बड़े शहरों में लगे पोस्टरों ने भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें पूरी तरह गायब हैं, जबकि अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इस असमंजस के कारण भाजपा के भीतर इस्तीफों का दौर भी शुरू हो गया है; मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एमसी मुनुसामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी निराशा देखी जा रही है।

सीजेपी को शशि थरूर की नसीहत, बोले- इंस्टाग्राम मंच है, बैलट बॉक्स नहीं

-युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' अभियान के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने देश के युवाओं, खासकर जेन-जी पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने का प्रभावी मंच हो सकता है, लेकिन वास्तविक परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है।

दरअसल कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक लेख में कहा, कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसे अभियानों ने उन युवाओं की भावनाओं को सामने लाया है जो रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सार्वजनिक संस्थानों को लेकर निराश हैं। उन्होंने युवाओं से कहा, ÷इंस्टाग्राम आपका सार्वजनिक मंच है, लेकिन यह बैलट बॉक्स नहीं है।÷ थरूर ने युवाओं को अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपने विधायक और सांसदों के कार्यालयों तक पहुंचना चाहिए तथा समस्याओं के समाधान के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी बात कही। कांग्रेस सांसद ने कहा कि केवल निराशा व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए और उन्हें ऐसे मुद्दों से जोड़ना चाहिए जिन पर कार्रवाई संभव हो। उनके अनुसार, संगठित और तथ्याधारित जनदबाव से मीडिया और जनप्रतिनिधियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया जा सकता है। कांग्रेस नेता थरूर ने छात्र संगठनों, कानूनी सहायता समूहों और नीति-आधारित संस्थाओं के साथ जुड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास के सफल जनआंदोलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ संगठन निर्माण, नीति-निर्माण, लॉबिंग और कानूनी लड़ाइयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने युवाओं को यह भी याद दिलाया कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अभी भी बदलाव का अवसर प्रदान करती हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की दिशा में काम करना चाहिए। थरूर के अनुसार, देश की युवा आबादी भारत के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती है और उसे निराशा के बजाय रचनात्मक भागीदारी का रास्ता चुनना चाहिए।

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर वाला पहला देश बना चीन, भारत दूसरे नंबर पर

-डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी मजबूत, वहां गूगल, अमेजन जैसे प्लेटफार्म नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट आज दुनिया की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। अरबों लोग रोजाना ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं आज दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर किस देश में हैं? भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के बावजूद पहले नंबर पर नहीं है। यह रिकॉर्ड चीन के नाम है जहां इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2025 के अंत तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या करीब 1.3 अरब तक पहुंच चुकी है। यह संख्या इतनी बड़ी है कि दुनिया के कुल इंटरनेट यूजर्स में हर पांचवां व्यक्ति चीन का निवासी है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की इंटरनेट पहुंच भी 80 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है यानी अधिकांश आबादी अब ऑनलाइन से जुड़ चुकी है। दूसरी ओर भारत करीब 80.6 करोड़ इंटरनेट यूजर्स के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि अमेरिका करीब 32.2 करोड़ यूजर्स के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या इतनी विशाल है कि यह अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल ऑनलाइन आबादी को जोड़ने पर भी उससे ज्यादा है। यह दिखाता है कि डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी कितनी मजबूत हो चुकी है। चीन के आधिकारिक इंटरनेट नियामक संस्थान के मुताबिक, 2025 के अंत तक देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.12 अरब से ज्यादा दर्ज की गई और इंटरनेट पहुंच दर 80.1 फीसदी तक पहुंच गई।

चीन की डिजिटल दुनिया काफी हद तक बाकी देशों से अलग है। वहां कई लोकप्रिय विदेशी प्लेटफॉर्म जैसे गूगल और अमेजन उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में घरेलू कंपनियों ने इस खाली जगह को भर दिया है। आज चीन में अलीबाबा, टैंटकेंट और बाइडू जैसे प्लेटफॉर्म प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वहीं वीचेट, वेयबो और कुआशियू का दबदबा देखने को मिलता है जहां अन्य देशों में फेसबुक, एक्स और यूट्यूब् ज्यादा लोकप्रिय हैं।

चीन केवल इंटरनेट यूजर्स की संख्या में ही नहीं बल्कि डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी अग्रणी है। 2025 के मध्य तक ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1.02 अरब से ज्यादा पहुंच गई थी। इसका मतलब है कि करीब 91 फीसदी इंटरनेट यूजर किसी न किसी रूप में डिजिटल पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिटेल खरीदारी, टैक्सी बुकिंग, बिल भुगतान और अन्य सेवाओं में मोबाइल पेमेंट वहां की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

एआई के क्षेत्र में भी चीन तेजी से विस्तार कर रहा है। दिसंबर 2025 तक देश में लगभग 60.2 करोड़ लोग जनरेटिव एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे थे। यह संख्या यूरोपीय संघ की कुल आबादी से भी ज्यादा बताई जाती है। चीन और भारत को मिलाकर देखें तो इन दोनों देशों में मौजूद इंटरनेट यूजर्स की संख्या दुनिया के शीर्ष 20 देशों के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से भी ज्यादा है। यह संकेत देता है कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का वैश्विक केंद्र धीरे-धीरे पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहा है।

ग्रामीण मांग की रफ्तार कायम, शहरी मध्य वर्ग पर दबाव : एफएमसीजी

नई दिल्ली।

नेस्ले इंडिया ने बताया कि शहरी उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च को टाल रहे हैं, जिससे इंतजार करो की स्थिति बन रही है। हालांकि, नेस्ले के लिए, जो एक शहरी-केंद्रित कंपनी है, वृद्धि बेहतर बनी हुई है। उन्होंने नील्सन आईक्यू के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण मांग लगातार तीन वर्षों से शहरी मांग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। बाजार के प्रीमियम हिस्से में भी मांग मजबूत बनी हुई है। मैरिको के एक अे धिकारी ने स्वीकार किया कि नए क्षेत्रीय ब्रांड बड़ी एफएमसीजी कंपनियों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैरिको ने तीन वर्षों में सात डी2सी ब्रांडों का अधिग्रहण किया है और नवाचार को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह चिंता भी जताई कि कम बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों की मांग प्रभावित हो सकती है।

सौर क्षमता विस्तार में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा

बीते वर्ष 37 गीगावाट सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली ।

भारत ने सालाना सौर क्षमता विस्तार के मामले में अमेरिका को पछाड़ते हुए वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को बताया कि बीते साल 37 गीगावाट (जीडब्ल्यू) सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षमता विस्तारक देश बन गया है। इस दौरान अमेरिका ने 34 जीडब्ल्यू क्षमता जोड़ी। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन, नवाचार और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के दम पर भारत सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख सौर बाजारों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत सौर ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया, जिसने जापान को पीछे छोड़ते हुए अपनी क्षमता को 98 जीडब्ल्यू से अधिक तक पहुंचाया। देश में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की गति उल्लेखनीय रही है। भारत ने अप्रैल 2026 तक 154 जीडब्ल्यू की कुल सौर क्षमता हासिल करने का अनुमान है। भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक 500 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग आधा (288 जीडब्ल्यू) गैर-जीवाश्म स्रोतों से आता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अदाणी टोटल गैस के शेयर उछले

विशेषज्ञ बोले- सरकारी नीतियां और कीमतों में बढ़ोतरी बनी वजह

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष ने जहां वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है और निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स को करीब 9 प्रतिशत नीचे धकेल दिया है, वहीं इस मुश्किल दौर में अदाणी टोटल गैस (एटीजीएल) ने सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है। फरवरी 2026 से जून 2026 के बीच कंपनी के शेयर में लगभग 40 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिससे यह ऑयल एंड गैस सेक्टर की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कंपनी बन गई। बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, अदाणी टोटल गैस की इस शानदार तेजी के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- सरकारी नीतियां, सीएनजी व औद्योगिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी, और अदाणी समूह में निवेशकों का बढ़ता भरोसा। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल व गैस निकालने वाली कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होती हैं, जबकि तेल विपणन कंपनियों और रिफाइनरियों पर लागत बढ़ने का दबाव पड़ता है। इस अवधि में अदाणी टोटल गैस का शेयर 512 रुपये से बढ़कर 717.60 रुपये पर पहुंच गया। जहां एक ओर अदाणी टोटल गैस ने आसमान छुआ, वहीं चेन्नई पेट्रोलियम (24 फीसदी), एजिस लॉजिस्टिक्स (10.5 फीसदी) और ऑयल इंडिया (1.5 फीसदी) जैसी कुछ अन्य कंपनियों के शेयरों में भी मामूली बढ़त देखी गई। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया संकट का सबसे बुरा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में 23 से 27 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, गेल, महानगर गैस और इंद्रप्रस्थ गैस सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भी महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरे सेक्टर में दबाव साफ नजर आया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआई लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही।

आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ1 अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला।

पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

केरल पर गंभीर वित्तीय संकट, कर्ज 5 लाख करोड़ पार

तिरुवनंतपुरम ।

केरल सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में एक गंभीर वित्तीय स्थिति रिपोर्ट (श्वेत पत्र) पेश की, जिसमें राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल कर्ज और लगभग 49,000 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान उजागर हुए हैं। पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते कर्ज और देनदारियों के कारण विकास व बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है।

वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं, जबकि पूंजीगत व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का मात्र 1.3 फीसदी है, जो देश में सबसे कम है। रिपोर्ट ने केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के लगभग 21,000 करोड़ रुपये के ऋण पर भी चिंता जताई है, जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा। यह गंभीर वित्तीय चुनौती राज्य के लिए विकास परियोजनाओं को बाधित कर रही है और दैनिक नकदी जरूरतों के लिए आरबीआई की आपात उधारी पर निर्भरता बढ़ा रही है।

भारतीय ब्रांड करेंगे अमेरिकी बाजार पर राज: ओयो

ओयो ने मोटेल 6 अधिग्रहण कर अमेरिकी होटल क्षेत्र में बनाई पैठ

न्यूयॉर्क ।

ऑनलाइन हॉस्पिटैलिटी मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय कंपनियां जल्द ही अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनेंगी, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक चर्चा में उन्होंने यह भी बताया कि ओयो अमेरिका में तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि इसका मतलब है कि अमेरिकी उपभोक्ता पहली बार भारतीय ब्रांडों का उपयोग करेंगे। उन्होंने अपनी कंपनी का उदाहरण

देते हुए कहा कि ओयो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ा है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। 2024 में, ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया, जो उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला, मोटेल 6 की मूल कंपनी है। इससे ओयो अमेरिका में सबसे बड़ा इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक बन गया है। उन्होंने भविष्य में अमेरिकी उपभोक्ता-आधारित व्यवसायों में भारतीय कंपनियों द्वारा बड़े निवेश की संभावना जताई। कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्टार्टअप प्रधानमंत्री कहते हुए देश में स्टार्टअप परिवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने नए स्टार्टअप के लिए करीब दो अरब डॉलर की पूंजी उपलब्ध कराई है। इस चर्चा के दौरान यह भी खबरें आईं कि प्रिज़्म को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

विमानन क्षेत्र को राहत : 10,000 करोड़ का एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष मंजूर

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विमान ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती लागत से जूझ रही भारतीय विमानन कंपनियों को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार ने एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष के रूप में 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र को ईंधन की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से बचाना है। यह सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को ब्याज-मुक्त कर्ज के रूप में प्रदान की जाएगी। ओएमसी इस राशि का उपयोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर रखने में करेंगी। सरकार का मानना है कि यह तंत्र विमानन कंपनियों को ईंधन मूल्य निर्धारण में अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने पर तेल कंपनियों को हुए नुकसान की भरपाई करेगा। यह योजना सभी इच्छुक अनुसूचित भारतीय विमानन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी, जो ओएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी और 3 साल तक (या जब तक सहायता राशि पूरी तरह वसूल न हो जाए) उनसे एटीएफ खरीदना जारी रखेंगी। इस कोष में एक वसूली तंत्र भी शामिल है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमतें निर्धारित बेंचमार्क से कम होंगी, तो

अतिरिक्त राशि तेल कंपनियों से वापस लेकर भारत के संचित निधि में जमा कर दी जाएगी, जब तक कि पूरी सहायता राशि वसूल न हो जाए।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर राजस्व में हेराफेरी का आरोप

मुंबई ।

सोने की रिफाइनिंग और जूलरी कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी के शेयर में गुरुवार को 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रमोटर राजेश मेहता के खिलाफ बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और राजस्व को 97-99 फीसदी तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि जांच और फोरेंसिक ऑडिट के दौरान कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं के कई संकेत मिले हैं।

नियामक के अनुसार कंपनी ने अपने राजस्व को 97 से 99 प्रतिशत तक बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाया, जिसे सेबी ने अत्यंत गंभीर और अभूतपूर्व मामला बताया है। कंपनी पर जांच में सहयोग न करने का भी आरोप है।

मार्च 2024 में बड़े ट्रेड रिसीवेबल्स को लेकर मिली शिकायत के बाद सेबी ने अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक की विस्तृत जांच शुरू की थी और बीडीओ इंडिया सर्विसेज को फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया था। इस खबर के बाद बीएसई पर राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के 110.15 रुपए से गिरकर गुरुवार को 104.65 रुपए पर खुला।

खाद्य तेल पैक आकार का होगा मानकीकरण, उपभोक्ताओं को मिलेगी स्पष्टता

उद्योग ने किया स्वागत, पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और पर्यावरण को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

सरकार जल्द ही खाद्य तेल के पैक आकार को मानकीकृत करने के लिए नए नियम पेश करने वाली है। इस कदम से उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में प्रचलित 850 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकार उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और प्रति लीटर वास्तविक लागत का आकलन करना मुश्किल बनाते हैं। केंद्र सरकार खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में बढ़ती गैर-मानक पैक आकारों की प्रवृत्ति (जैसे 850, 875, 900, 950 मिलीलीटर) से निपटना है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम का जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाएगा और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करेगा। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा कि मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मानकीकरण से न केवल उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा, बल्कि इसके पर्यावरणीय लाभ भी होंगे।

वेदांता ने पांच वर्षों में 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन किया कम

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और सघन वनीकरण से हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी या अवशोषण कर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह कदम भारी उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वेदांता के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है, जहां विद्युत चालित यात्री वाहन, लोडर और फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से प्रति वर्ष लगभग 800 किलोलीटर डीजल की बचत हुई। सतत परिवहन व्यवस्था के तहत जलमार्ग पोत संचालन ने 2.1 लाख ट्रक यात्राओं को कम करके 1.08 करोड़ लीटर डीजल और लगभग 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत की। ऊर्जा दक्षता में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के माध्यम से 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की गई, जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ। पर्यावरण पुनर्स्थापन के तहत, गोवा की पुनर्वास खदान सहित अन्य स्थानों पर कुल 11 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल हजारों टन सीओ2 अवशोषित करते हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र में एलपीजी के स्थान पर प्राकृतिक गैस का उपयोग सालाना लगभग 1,500 टन सीओ2 उत्सर्जन को कम करेगा।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योगों को ऊर्जा उपयोग, परिवहन और पर्यावरण के साथ अपने संबंधों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स में होगी कटौती

1 जुलाई से बदलेंगे नियम, पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों पर होगा असर

नई दिल्ली ।

एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रे डिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, ऑनलाइन शॉपिंग और अन्य खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवॉर्ड पॉइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पॉइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पॉइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले कुल पॉइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पॉइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पॉइंट्स की सीमा तय की गई है।

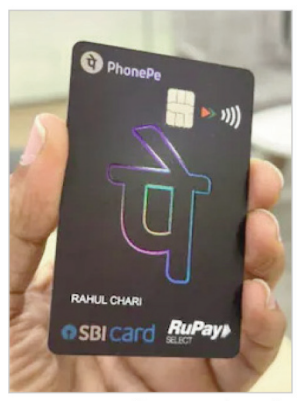

ऑनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पॉइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है। एसबीआई कार्ड ने कुछ कैटेगरी को रिवॉर्ड सिस्टम से बाहर कर दिया है, जिनमें टोल/ब्रिज पेमेंट, गिफ्ट, ज्वेलरी और शैक्षणिक भुगतान शामिल हैं। फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम और यूपीआई ट्रांजैक्शन्स पर भी अब कोई रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। हालांकि एसबीआई ने स्पष्ट किया है कि अन्य कार्ड सुविधाएं पहले जैसी ही रहेंगी। कार्डधारकों को सलाह दी गई है कि वे 1 जुलाई 2026 से पहले इन नए नियमों को समझकर अपने खर्चों की योजना बनाएं ताकि उन्हें किसी अप्रत्याशित नुकसान का सामना न करना पड़े।

वैश्विक दबाव से महंगी हुई दवाएं, मरीजों पर बढ़ा बोझ

नए स्टॉक 8 से 17 फीसदी तक महंगे

मुंबई ।

वैश्विक महंगाई और बाधित सप्लाई चेन का असर अब आम आदमी की सेहत पर भी दिखने लगा है। कच्चे माल, पैकेजिंग व समुद्री परिवहन लागत में उछाल से दवा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है। इसका सीधा असर नए दवा स्टॉक पर पड़ा है, जहां कई आवश्यक दवाओं की कीमतें 8 से 17 फीसदी तक बढ़ गई हैं, जिससे मरीजों के मासिक खर्च में बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट और पेट्रोकेमिकल आधारित कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में 40 से 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और एल्युमीनियम भी महंगे हुए हैं। इस वृद्धि का असर पुराने स्टॉक पर सीमित है, लेकिन नए बैच की दवाएं अब अधिक कीमत पर मिल

रही हैं, खासकर एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक। फार्मा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में जल्द राहत नहीं मिली, तो भविष्य में कई और दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। इससे आम लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बढ़ेगा और मरीजों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उतेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

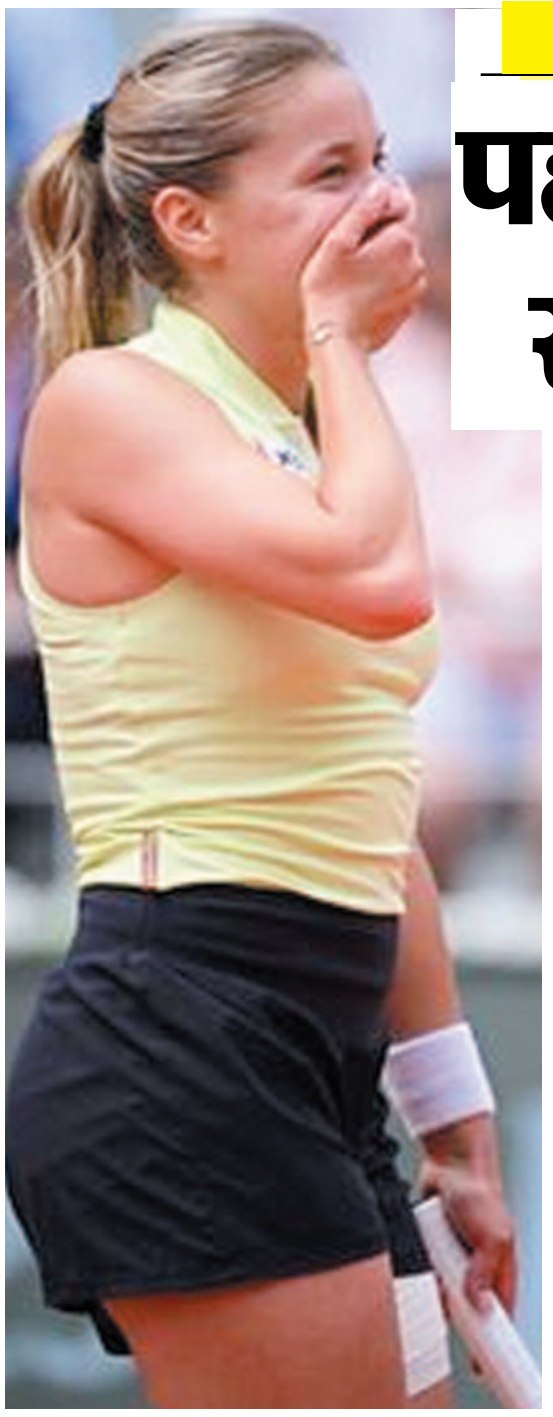

फ्रेंच ओपन: अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

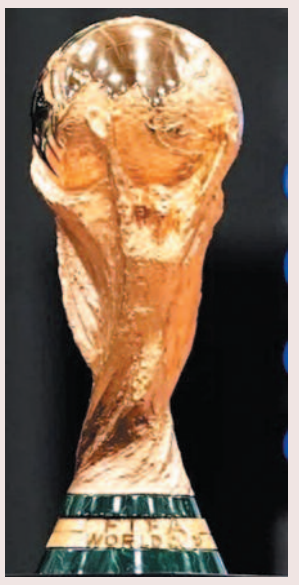

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के

मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

'डॉन 3' विवाद के बीच रणवीर ने फरहान को दिया साथ काम करने का ऑफर

रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर के साथ अपने 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इस विवाद के चलते ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। लेकिन अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर से अपने संबंध सुधारने के लिए संपर्क किया है। यही नहीं उन्होंने फरहान के साथ काम करने की इच्छा भी जताई है।

रणवीर ने दिया साथ काम करने का प्रस्ताव

एक रिपोर्ट के अनुसार, विवाद को सुलझाने के लिए रणवीर ने फरहान से बात की और भविष्य में किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई। हालांकि, फिलहाल न तो फरहान और न ही उनकी बहन जोया अख्तर रणवीर के साथ काम करने में रुचि रखते हैं। एक सूत्र ने बताया, 'रणवीर ने फरहान और रणवीर द्वारा आपसी सहमति से चुनी गई एक और फिल्म का प्रस्ताव रखा। रणवीर ने फरहान की बहन जोया अख्तर के साथ भी फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, जिनके साथ उन्होंने पहले गली बॉय में काम किया है। यह प्रस्ताव फरहान और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी दोनों को दिया गया था, लेकिन दोनों ने तुरंत इसे ठुकरा दिया।'

सलमान खान ने भी किया मामले को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप

करीबी सूत्र ने यह भी दावा किया कि न तो फरहान और न ही जोया रणवीर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। यह खबर उस दिन के एक दिन बाद आई है जब यह पता चला था कि सलमान खान ने भी रणवीर और फरहान की सुलह कराने का प्रयास किया है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने हाल ही में दोनों पक्षों से बात की और उनसे शांति से अपने मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

अभिनेता के रूप में हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करता हूं

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।'

इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है।

इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, ' उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए। समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

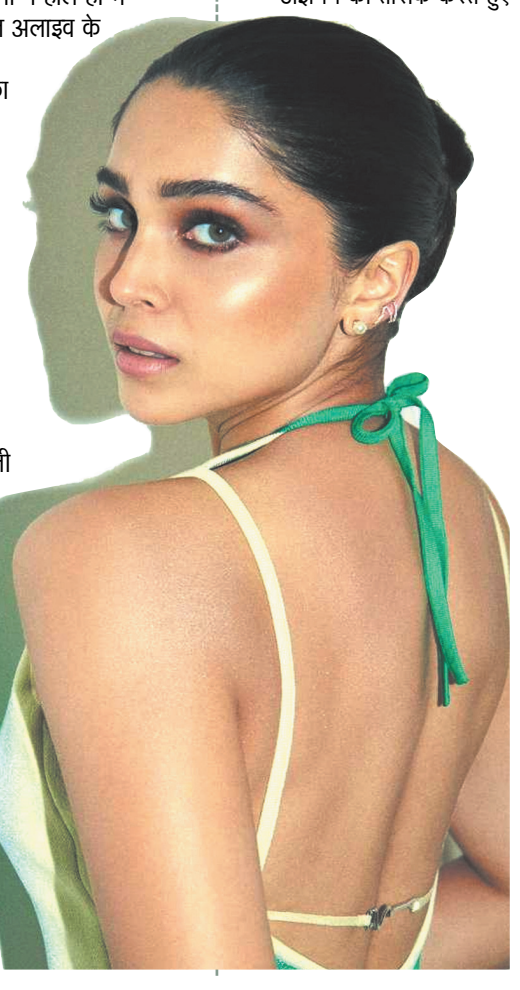

विक्रम की फिल्म में फैशन फोटोग्राफर बनीं सैयामी खेर

सैयामी खेर की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम फडणिस कर रहे हैं। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सामने आए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। जारी लुक में सैयामी प्रोफेशनल कैमरा थामे नजर आ रही हैं। फिल्म में वह एक फैशन फोटोग्राफर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। सैयामी ने फिल्म को लेकर कहा कि जैसे ही विक्रम ने उन्हें कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके जैसे कलाकारों को अक्सर इतने मजबूत और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिल रही हैं। फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी : जून से अगस्त तक भयंकर गर्मी का अलर्ट, अल नीनो बढ़ाएगा आफत

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने मध्यम या तीव्र अल नीनो का पूर्वानुमान लगाया है। उसने चेताया कि इससे न सिर्फ वैश्विक तापमान बढ़ने का खतरा है बल्कि आगामी महीनों में मौसम की चरम घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, गर्म समुद्री जल अल नीनो के विकास को बढ़ावा दे रहा है और जून से अगस्त तक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में औसत से अधिक तापमान रहने का अनुमान है। अल नीनो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में आवधिक वृद्धि है, जो आमतौर पर नौ से बारह महीने तक रहती है। डब्ल्यूएमओ ने कहा, यह अल नीनो नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। उसने कहा, अल नीनो कितना तेज होगा, यह अभी भी अनिश्चित है क्योंकि मौसम विज्ञान के मॉडल इसकी तीव्रता पर भिन्न-भिन्न राय रखते हैं, लेकिन अधिकारियों ने तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। डब्ल्यूएमओ की महासचिव सेलेस्ट साउलो ने कहा, तीव्र अल नीनो घटना के लिए तैयार रहना ही होगा, क्योंकि इससे सूखा और भारी वर्षा बढ़ेगी और जमीन तथा समुद्र दोनों पर लू का खतरा भी बढ़ेगा।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात : सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूंक दीं कारें

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। इस्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरे में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। इस्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व ड्यूटी के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है। खासतौर पर पिछले कुछ वर्षों में गाजा और फिर लेबनान, ईरान तथा यमन में शुरू लड़ाई के चलते युवाओं के लिए यह नियम परेशानी बन गया है। इससे परिवारों में भी असंतोष है। यह विवाद अब पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी गंभीर सियासी संकट का कारण बन गया है। अति-रूढ़िवादी दलों द्वारा सरकार से समर्थन वापसी के बाद गठबंधन में दरार गहरा गई है। इसके चलते इस वर्ष के चुनाव समय पूर्व कराए जा सकते हैं।

पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन, 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 53 वर्षीय एंड्यू रिचर्ड ल्यूकार्ट को स्टार्क स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6:19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हैर्शी की हत्या और गंभीर बाल उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकार्ट पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईवी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, 'मैं माफी चाहता हूं।' घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकार्ट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्साकर्मी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने प्रेस वार्ता में बताया कि ल्यूकार्ट ने अंतिम भोजन लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने एक आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी। यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी।

इस्राइल का दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला धमाकों से दहले कई इलाके; एयरस्ट्राइक जारी

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और वार दोनों साथ चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनके दखल के बाद इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई रुक गई है। ट्रंप के मुताबिक, इस्राइल अब बेरूत पर हमला नहीं करेगा और हिजबुल्ला भी गोलाबारी रोकेगा। साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता भी आखिरी दौर में है। लेकिन जमीन पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। ट्रंप के इस दावे के कुछ ही घंटों बाद लेबनान की तरफ से दो रॉकेट दागे गए। इस्राइली वायुसेना ने इन्हें हवा में ही मार गिराया। दूसरी तरफ, ईरान ने भी अभी तक अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर दस्तखत नहीं किए हैं। सूत्रों का कहना है कि ईरान सिर्फ वादों पर भरोसा नहीं करेगा। वह प्रतिबंध हटाने और सुरक्षा के मोर्चे पर ठोस जमीनी कदम चाहता है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के मरजयून जिले के ब्लाट कस्बे को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना की ओर से यहां भीषण हमले जारी हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इससे पहले पास के दिब्बीन कस्बे में एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई थी। ईरान ने कुवैत-बहरीन पर दागी मिसाइलें, अमेरिका ने पलटवार में केश्म द्वीप को बनाया निशाना अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक

श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर जवाबी कार्रवाई भी की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने नोट किया कि ईरान ने खाड़ी पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में विफल रहीं। सेंटकॉम ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ की गई रक्षात्मक कार्रवाइयों का विवरण देते हुए खुलासा किया कि कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें या तो लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं या रास्ते में ही नष्ट हो गईं। वहीं, बहरीन पर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन की वायु रक्षा बलों ने तुरंत रोक लिया। यूएई के परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमले के बाद आईएईए बोला- देंगे तकनीकी सहायता अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पुष्टि की है कि वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था संयुक्त अरब अमीरात को व्यापक समर्थन दे रही है। यह समर्थन पिछले महीने ड्रोन हमले में निशाना बनाए गए परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आधिकारिक दौरे के बाद दिया गया है। ग्रॉसी ने कहा कि अधिकारियों ने बरकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुई घटना पर असाधारण रूप से तीव्र परिचालन प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया और संयंत्र में बाहरी बिजली की आपूर्ति बाधित होने के तुरंत बाद रिएक्टर को बंद करने की प्रक्रिया को तेजी से अंजाम दिया। आईएईए प्रमुख ने आगे संकेत दिया कि सुविधा में मरम्मत के काम का पूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी आकलन और परिचालन गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जानी है। ग्रॉसी ने बिजली संयंत्र में आगामी रखरखाव कार्य की सटीक प्रकृति या समयसीमा के संबंध में कोई और विशिष्ट विवरण नहीं दिया। यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप 17 मई को ड्रोन हमले के कारण संयुक्त अरब अमीरात की एकमात्र परमाणु ऊर्जा सुविधा में लगी आग के बाद हुआ है, जिसकी पुष्टि बाद में राज्य के अधिकारियों द्वारा की गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संसद को बताया कि ईरान को दी जाने वाली कोई भी प्रतिबंध राहत परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी होगी, न कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी का कहना है कि ईरान में चल रही कई परमाणु गतिविधियां अब रुक गई हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि उसने बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर को अपंग कर दिया है, क्योंकि उसने ईरान के खर्ग द्वीप की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार और विकास संस्था का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से तेल आयात की लागत 20 अरब बढ़ सकती है, जिसका सबसे बुरा असर गरीब देशों पर पड़ेगा। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में घातक हमले जारी रखे हैं, जिसमें लेबनानी शहर अल-मरवानिया में हुआ एक हमला भी शामिल है, जिसमें चार वयस्कों और दो बच्चों की मौत हो गई। दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के एक ड्रोन हमले में चार इस्राइली सैनिक घायल हो गए हैं। होर्मुज खोल दिया होता तो नहीं होती नाकेबंदी: रुबियो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि नाकेबंदी का एकमात्र कारण यह है कि ईरान व्यापारिक जहाजों पर गोलीबारी कर रहा है। इसके पीछे सोच यह है कि अगर किसी और के जहाज बाहर नहीं निकल पाएंगे, तो ईरान के जहाज भी बाहर नहीं निकल पाएंगे। अगर ईरान ने वह करने पर सहमति जताई होती जो उसने युद्धविराम लागू होने के समय करने को कहा था, यानी होर्मुज को खोलना, तो यह नाकेबंदी नहीं होती। वे जो कर रहे हैं वह गैर-कानूनी और अवैध है।

ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए', आईएईए प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मार्को रुबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रुबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। ईरान हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रुबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

रुबियो ने जोर दिया कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी को हटा देगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं और अभी भी निर्णय लेने में शामिल हैं, लेकिन यह भी कहा कि मोजतबा केवल लिखित संदेश और मध्यस्थों के माध्यम से संवाद करता है। रुबियो ने कहा कि ईरान की बातचीत की प्रक्रिया बहुत केंद्रित प्रतीत होती है, ईरानी अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेशों के साथ एक मंजूरी के लिए परिषद को भेजा जाता है, एक प्रक्रिया जो उनके अनुसार प्रतिक्रिया देने से पहले तीन से पांच दिन तक का समय ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमले ईरान के मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को बहुत कम कर दिया है, लेकिन यह स्वीकार करते हुए कि तेहरान अभी भी बहुत सारे ड्रोन है, और यह नोट करते हुए कि ड्रोन का उत्पादन करना अपेक्षाकृत आसान है। इस्राइल और लेबनान के बीच चौथे दौर की यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब सीमा पर हमले अभी भी हमले जारी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दोनों देशों के बीच विवाद की जल्द समाधान की उम्मीद व्यक्त की। रुबियो ने बताया कि इस्राइल और लेबनान के बीच कल ही शांति समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस्राइल ने लेबनान में कोई क्षेत्रीय दावा नहीं किया है।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बेतुके आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दिया प्रस्ताव : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

जैमिसन ग्रीर ने जारी किया बयान : अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबरन श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैइससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने इन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है और इस पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

राष्ट्र निर्माण और पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षरः सोशल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष किशोर भंडारी जी को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएँ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई / नागपुर: 5 जून का दिन महाराष्ट्र की सामाजिक, राजनीतिक और पत्रकारिता जगत की एक ऐसी प्रखर शख्सियत के नाम है, जिसने अपनी कर्तव्यनिष्ठा और सेवाभाव से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। 'सोशल मीडिया फाउंडेशन' के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष, 'अखिल मराठी पत्रकार संघ' (महाराष्ट्र राज्य) के प्रदेश अध्यक्ष तथा 'भाजपा जैन प्रकोष्ठ' (महाराष्ट्र राज्य) के माननीय उपाध्यक्ष श्री किशोर भंडारी जी को उनके जन्मदिवस के इस पावन अवसर पर 'महानगर मेट्रो न्यूज़' परिवार और राज्यभर के शुभचिंतकों की ओर से कोटि-कोटि बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ!

बहुआयामी व्यक्तित्वः समाज, संगठन और लोकतंत्र के सजग प्रहरी

एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में किशोर भंडारी जी का जीवन समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने की मिसाल रहा है। आपके इस अद्वितीय सफर के तीन मुख्य स्तंभ इस प्रकार हैं:

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ (पत्रकारिता): 'अखिल मराठी पत्रकार संघ' के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष के रूप में आपने सदैव निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा दिया है। राज्यभर के पत्रकारों के हितों, मान-सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए आपने हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहकर मजबूती से आवाज उठाई है।

डिजिटल क्रांति और सामाजिक चेतना: 'सोशल मीडिया फाउंडेशन' के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष के रूप में आपने डिजिटल युग में युवाओं और समाज को सही दिशा देने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक व रचनात्मक बदलाव लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है।

राजनीतिक एवं आध्यात्मिक समन्वय: 'भाजपा जैन प्रकोष्ठ' (महाराष्ट्र राज्य) के उपाध्यक्ष के तौर पर आपने जैन समाज के उच्च नैतिक मूल्यों, अहिंसा, करुणा और सेवा के सिद्धांतों को राजनीतिक मुख्यधारा से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है।

महानगर मेट्रो न्यूज़ की तरफ से मंगलकामनाएँ

नेतृत्व ऐसा हो जो राह दिखाए, व्यक्तित्व ऐसा हो जो प्रेरणा बन जाए। री किशोर भंडारी जी के इसी प्रेरणादायी नेतृत्व, बेबाक अंदाज और निस्वार्थ सेवाभाव को 'महानगर मेट्रो न्यूज़' सादर नमन करता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, असीम ऊर्जा और यश-कीर्ति प्रदान करें, ताकि आपके मार्गदर्शन में समाज सेवा और राष्ट्र कल्याण का यह रथ निरंतर आगे बढ़ता रहे। एक बार फिर, आदरणीय किशोर भंडारी जी को जन्मदिवस की सतरंगी शुभकामनाएँ!

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका! मार्को रूबियो बोले- हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा है।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

तीन दर्जन से ज्यादा देशों के साथ बातचीत : रूबियो ने कहा, 'दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।' उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी रणनीतिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियां ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत विदेश साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिकाः संसद में नया बिल पेश, एक साल में सामने आएगी रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें ये बताना होगा कि संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं। रिपोर्ट में सरकारी जानकारी के साथ-साथ दूसरे स्वतंत्र स्रोतों की जानकारी भी शामिल होगी। साथ ही यह भी सुझाव दिए जाएंगे कि अमेरिका क्या कदम उठा सकता है, जैसे कि प्रतिबंध, वीजा रोकना या कूटनीतिक कार्रवाई करना। तिब्बत में चीन की गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था।

इस बिल में क्या है : अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और

अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं करना है' : क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उइगर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

अमेरिकी सांसद की चेतावनी: वीजा में देरी से US में डॉक्टरों की कमी का खतरा, जानें भारतीयों पर पड़ेगा कितना असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी है कि जे-1 वीजा छूट की प्रक्रिया में देरी के कारण विदेश में प्रशिक्षित सैकड़ों डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। इससे खासकर ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी और बढ़ सकती है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट प्रतिनिधि गिलिब्रैंड ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रशासनिक लंबित मामलों के कारण योग्य विदेशी डॉक्टर देशभर के अस्पतालों में नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इसमें न्यूयॉर्क के कई ग्रामीण और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्र भी शामिल हैं।

अमेरिका में काम करने वाले भारत के मेडिकल ग्रेजुएट्स सबसे ज्यादा : गिलिब्रैंड ने लिखा, 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स में प्रशासनिक रुकावट के कारण सैकड़ों योग्य विदेशी डॉक्टर अमेरिका में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पा रहे हैं।' यह मुद्दा भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स में भारतीय डॉक्टरों की संख्या सबसे अधिक है। गिलिब्रैंड ने कहा कि न्यूयॉर्क राज्य डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टरों पर काफी निर्भर है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टरों की भर्ती करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान योग्य डॉक्टरों को सिर्फ प्रशासनिक देरी के कारण खो नहीं सकते।

न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी : सीनेटर के अनुसार, न्यूयॉर्क के कुल डॉक्टरों में एक-तिहाई से अधिक विदेशों में प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2025 की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 16 ग्रामीण काउंटियों में डॉक्टरों की भारी कमी है। कई काउंटियों

में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों के अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेवर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेवर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीनों की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीनों से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ रहा है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समयसीमा है। यदि तब तक उनके वेवर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाजा न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा।' गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स बड़ी संख्या में आवेदनों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटाने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.